घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 16- रविवार 16- नवम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये ,www.ghatati-ghatana.com,RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

बिहार ने जाति की राजनीति को ठुकराया : पीएम मोदी

सूरत,15 नवम्बर 2025। पीएम मोदी ने सूरत एयरपोर्ट पर शनिवार को बिहार के लोगों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बिहार ने हाल के विधानसभा चुनाव में जाति की राजनीति को ठुकरा दिया। उन्होंने कहा, जिन लोगों को हार मिली है, उन्हें इस सदमे से बाहर निकलने में महीनों लगेंगे। उन्होंने कहा कि बिहार का टैलेंट दुनिया में हर जगह है। यहां के लोग दुनिया की राजनीति को समझते हैं। बिहार ने सांप्रदायिकता के जहर को ठुकरा दिया। एनडीए ने बिहार में 243 सीटों में से 202 जीती हैं। इससे पहले वे पंडोरी माता के मंदिर गए। पंडोरी माता को गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और राजस्थान के आदिवासी समुदाय अपनी कुलदेवी मानते हैं। पीएम ने डेडियापाडा में 4 किमी लंबा रोड शो भी किया। इस दौरान आदिवासी समुदाय के हजारों लोग सड़क किनारे नजर आए। इसके बाद उन्होंने 9700 करोड़ के कई प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और उद्घाटन किया।

पीएम बोले...जरूरी था मैं आपके बीच आकर इस विजय उत्सव का हिस्सा बनूं

पीएम मोदी ने कहा,'बिहार ने ऐतिहासिक विजय हासिल की है। यदि मैं बिहार की जनता से मिले बिना सूरत छोड़ देता, तो हमारा यह सफर अधूरा रह जाता है। इसलिए, गुजरात में रहने वाले मेरे बिहारी भाई-बहन, विशेषकर सूरत में रहने वाले, इस अधिकार के हकदार हैं। यह मेरा स्वाभाविक दायित्व भी है कि मैं आपके बीच आकर इस विजय उत्सव का हिस्सा बनूं। '

पीएम मोदी बोले...बिहार में विकास की तड़प दिखाई देती है...

बिहार चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत पर पीएम मोदी ने कहा,'इस चुनाव में विजयी एनडीए गठबंधन और पराजित महागठबंधन के बीच 10% वोटों का अंतर है। यह एक बहुत बड़ा अंतर है। इसका मतलब है कि आम मतदाता ने एक ही दिशा में वोट किया। और किस मुद्दे पर- विकास पर। आज बिहार में विकास की जो तड़प है, वह स्पष्ट दिखाई देती है।'

एनडीए ने हमेशा आदिवासी समाज के लोगों ने शीर्ष पदों पर बिठाया

मोदी बोले...एनडीए ने हमेशा आदिवासी समाज के लोगों ने शीर्ष पदों पर बिठाया है। छत्तीसगढ़ के सीएम राज्य का कायाकल्प कर रहे हैं। उड़ीसा सीएम जनजातीय समाज के हमारे माझी जी उड़ीसा का विकास कर रहे हैं। हमने कई राज्यों में आदिवासी सीएम दिए। भाजपा ने कई राज्यों में आदिवासी को जगह दी। मंगूभाई पटेल एमपी के राज्यपाल हैं। सोनोवाल जी शिपिंग मिनिस्ट्री संभाल रहे हैं।

मोदी बोले-बिरसा मुंडा के घर जाने वाला मैं पहला पीएम

मोदी ने कहा...दुनिया में तिरंगे की शान बढ़ाने में आदिवासी बेटी-बेटों का योगदान है। अब हर बड़ी प्रतियोगिता में आदिवासी खिलाड़ी निकल रहे हैं। भारत की महिला क्रिकेट टीम में हमारी जनजातीय बेटी ने भूमिका निभाई। जनजातीय इलाकों में स्पोर्ट्स फेसिलिटी बढ़ाई जा रही है। भाजपा-वंचित को वरियता के नियम पर काम करती है। केंद्र की कई योजनाओं को आदिवासी वर्गों के पास जाकर लॉन्च करते हैं। आयुष्मान योजना झारखंड के आदिवासी इलाके में लॉन्च की गई थी। मैं देश का पहला पीएम हूं, जो भगवान बिरसा मुंडा के घर गया था। उनके परिवार के लोगों के साथ मेरा मिलना जारी है।

गुजरात के आदिवासियों की पेंटिंग,कलाकृति खास

मोदी ने कहा...भाजपा ने वन उपज पर एमएसपी बढ़ाई, श्री अन्न, मोटे अनाज को हम बढ़ावा दे रहे हैं। हमने गुजरात वन बंधु योजना शुरू की। जब इसे शुरू किया था तो महिनों तक अलग-अलग आदिवासी समाज के लोग मेरा अभिवादन करने आते थे। अब इसे जनजातीय योजनाओं के तौर पर और विस्तृत और बड़ा किया जा रहा है। जनजातीय इलाकों में हॉस्पिटल, डिस्पेंसरी, क्लिनिक खोले जा रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत स्थानीय भाषा को अहमियत दी जा रहे है।

दिल्ली ब्लास्ट : अल-फलाह यूनिवर्सिटी पर दिल्ली पुलिस का शिकंजा,दो प्राथमिकी दर्ज

आतंकी उमर का नया वीडियो-फोटो सामने आया

नई दिल्ली,15 नवम्बर 2025। दिल्ली के लाल किले के पास हुए विस्फोट की जांच जारी है। इसी बीच दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने हरियाणा के फरीदाबाद स्थित अल-फलाह यूनिवर्सिटी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। जांच का दायरा तेजी से बढ़ाते हुए पुलिस ने यूनिवर्सिटी के विरुद्ध दो प्राथमिकी दर्ज की हैं। एक धोखाधड़ी और दूसरी फर्जीवाड़े के आरोपों में है। पुलिस सूत्रों के अनुसार पूरी कार्रवाई तब और अहम हो जाती है जब यह सामने आया कि शिकायत सीधे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की ओर से दर्ज कराई गई है। यूजीसी और एनएएसी की समीक्षा टीमों ने अपनी रिपोर्ट में अल-फलाह यूनिवर्सिटी में गंभीर अनियमितताओं की पुष्टि की थी। सूत्रों के अनुसार पहली एफआईआर सेक्शन 12 के उल्लंघन से जुड़ी है जबकि दूसरी यूनिवर्सिटी द्वारा मान्यता के कथित फर्जी दावों से संबंधित है। क्राइम ब्रांच ने आज कार्रवाई को और तेज करते हुए अल-फलाह यूनिवर्सिटी के दिल्ली के ओखला स्थित ऑफिस पर दबिश दी। टीम ने यूनिवर्सिटी प्रशासन को औपचारिक नोटिस जारी किया और कई अहम दस्तावेज और रिकॉर्ड तुरंत उपलब्ध कराने को कहा। इसके अलावा रिकॉर्ड में विश्वविद्यालय की मान्यता से जुड़ी फाइलें, संबंधित पत्राचार और आंतरिक प्रशासनिक दस्तावेज मांगे। कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, फर्जीवाड़ा और धोखाधड़ी जैसे अपराध गंभीर श्रेणी में आते हैं।

दिल्ली ब्लास्ट के आतंकी उमर का नया वीडियो-फोटो सामने आया, फरीदाबाद में दुकान पर फोन चार्ज करता दिखा...

दिल्ली ब्लास्ट के आतंकी डॉ. मोहम्मद उमर नबी का शनिवार को एक और सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। ये वीडियो दिल्ली ब्लास्ट से 12 दिन पहले का है। 29 अक्टूबर को फरीदाबाद में एक शॉप पर मौजूद आतंकी उमर अपना फोन चार्जिंग के लिए दुकानदार को देता नजर आ रहा है। 25 सेंकेंड के इस वीडियो में नजर आ रहा है कि बेंच पर बैठा उमर अपने साथ साइड बैग लिए हुआ है। वो बैग से मोबाइल निकालता, दुकानदार को देता है। उसके पास एक और मोबाइल और नजर आ रहा है। उमर बेंच पर ही बैठा रहता है। वो नर्वस नजर आ रहा है।

फरीदाबाद से जब्त विस्फोटक से श्रीनगर थाने में धमाका

9 लोगों की मौत,32 घायल

श्रीनगर,15 नवम्बर 2025। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में नौगाम पुलिस स्टेशन में शुक्रवार रात करीब 11:22 बजे बड़ा धमाका हुआ। 9 लोगों की मौत हो गई है, 32 लोग घायल हैं। इनका 92 आर्मी बेस और एसकेआईएमएस सौरा हॉस्पिटल में इलाज जारी है। अधिकारियों के मुताबिक,ब्लास्ट उस समय हुआ जब पुलिस व्हाइट कॉलर आतंकी मॉड्यूल मामले में जब्त विस्फोटक के सैंपल ले रही थी। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि क्या पुलिस स्टेशन में पूरा 360 किलो विस्फोटक रखा गया था या फिर कुछ हिस्सा ही लाया गया था। जम्मू-कश्मीर के डीजीपी नलिन प्रभात ने कहा कि, यह एक हादसा था। सैंपलिंग के वक्त ब्लास्ट हुआ। मारे गए 9 लोगों में से एक इंस्पेक्टर,3 फॉरेंसिक टीम मेंबर, 2 क्राइम ब्रांच फोटोग्रॉफर,2 राजस्व अधिकारी और एक दर्जी शामिल है। दरअसल यह विस्फोटक हरियाणा के फरीदाबाद से गिरफ्तार डॉ. मुजम्मिल गनई के किराए के घर से जब्त किया गया था। गनई को दिल्ली ब्लास्ट केस में पहले ही अरेस्ट किया जा चुका है। 10 नवंबर को दिल्ली में लाल किला के पास कार ब्लास्ट में 13 लोगों की मौत हो गई थी।

नौगाम ब्लास्ट : गवर्नर एलजी सिन्हा अस्पताल में घायलों से मिले

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा शनिवार को नौगाम पुलिस स्टेशन विस्फोट में घायल लोगों से मिले। उन्होंने उजाला सिग्नस अस्पताल का दौरा किया। एलजी मनोज सिन्हा ने घायलों की सेहत के बारे में जानकारी ली और उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई है।

सीपीएल (एम) विधायक बोले...नौगाम धमाका बेहद दुर्भाग्यपूर्ण

सीपीएल (एम) विधायक एमवाई तारिगामी कहते हैं, 'यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और हम सभी शोकाकुल हैं। लेकिन इसकी जांच होनी चाहिए ताकि यह पता चल सके कि इसका कारण क्या था, यह दुर्घटनावश हुआ या कुछ और हम आशा करते हैं कि भविष्य में ऐसे घटनाक्रम न हों।

फारूक अब्दुल्ला ने कहा... नौगाम पुलिस स्टेशन ब्लास्ट हमारी गलती से हुआ

नौगाम पुलिस स्टेशन ब्लास्ट मामले पर,जम्मू-कश्मीर नेशनल कांग्रेस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने कहा, यह हमारी गलती है,जिन्हें इस विस्फोटक की बेहतर समझ है,हमें उनके साथ पहले बात करनी चाहिए थी कि इसे कैसे संभालना है, खुद ही हाथ-पांव मारने के बजाय आप नतीजा देख ही चुके हैं,9 लोगों की जान चली गई। उन्होंने कहा, वहां कई घरों को नुकसान हुआ। हम अभी दिल्ली में चल रही उस आलोचना से बाहर नहीं आए हैं जहां हर कश्मीरी पर उंगली उठाई जा रही है। वह दिन कब आएगा जब वे स्वीकार करेंगे कि हम भी भारतीय हैं और हम इसके जिम्मेदार नहीं हैं। उन लोगों से पूछिए जो जिम्मेदार हैं कि इन डॉक्टरों को यह रास्ता क्यों अपनाना पड़ा? कारण क्या था? इसकी पूरी तरह जांच और अध्ययन की आवश्यकता है। '

पूर्व केंद्रीय मंत्री आर.के. सिंह भाजपा से निलंबित

पटना,15 नवम्बर 2025। बिहार के आरा लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुके भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री राज कुमार सिंह (आर.के. सिंह) को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। बिहार विधानसभा चुनाव-2025 के परिणाम घोषित होने के साथ ही पार्टी विरोधी गितिविधी में शामिल होने के आरोप में उन्हें भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया गया है। आर.के. सिंह के खिलाफ यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है, जब बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने प्रचंड बहुमत हासिल किया है, लेकिन कई सीटों पर आंतरिक कलह और बागी उम्मीदवारों के कारण पार्टी को नुकसान उठाना पड़ा। आर.के. सिंह के खिलाफ यह कार्रवाई चुनाव प्रचार के दौरान और उसके आस-पास पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने की शिकायतें मिलने के बाद की गई है। आर.के. सिंह पर आरोप है कि उन्होंने चुनाव के दौरान पार्टी उम्मीदवारों के खिलाफ काम किया और सार्वजनिक रूप से कुछ ऐसे बयान दिए, जो गठबंधन और पार्टी के हितों के विरुद्ध थे। माना जा रहा है कि पार्टी नेतृत्व ने उनकी गतिविधियों को अनुशासनहीनता मानते हुए यह सख्त फैसला लिया, ताकि संगठन में एक कड़ा संदेश दिया जा सके।

बिहार : शॉर्ट सर्किट से लगी आग में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत

पटना,15 नवम्बर 2025। बिहार के मुजफ्फरपुर में शॉर्ट सर्किट से बीती देर रात लगी आग में एक ही परिवार के पांच सदस्य जिंदा जल गए, जिससे सभी की मौत हो गई। हादसे में पांच अन्य बुरी तरह से झुलसे गए हैं जिन्हें मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। डीएसपी पश्चिमी सुचित्रा कुमारी ने पांच लोगों की मौत की की पुष्टि की है। परिवार के सदस्य बाहर भी नहीं निकल पाए। मृतकों में दो बच्चे, उनके माता-पिता और एक अन्य सदस्य शामिल हैं। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन तब तक आग ने घर को अपनी चपेट में ले लिया था। स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया। जिसके बाद घायलों को तुरंत मेडिकल कॉलेज भेजा गया। डीएसपी पश्चिमी ने बताया कि प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट से आग लगने की जानकारी मिली है।

देश के हर मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल में अमृत फार्मेसी स्थापित की जाएगी : जेपी नड्डा

नई दिल्ली,15 नवम्बर 2025। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को देशभर में अमृत नेटवर्क के व्यापक विस्तार की घोषणा करते हुए कहा कि अब लक्ष्य है कि देश के हर मेडिकल कॉलेज और हर जिला अस्पताल में अमृत फार्मेसी उपलब्ध कराई जाए, ताकि सस्ती दवाओं की पहुंच हर नागरिक तक सुनिश्चित हो सके। नड्डा यहां भारत मंडपम में अमृत (उपचार के लिए किफायती दवाएं और विश्वसनीय प्रत्यारोपण) फार्मेसी के 10वें स्थापना दिवस समारोह का उद्घाटन करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। नड्डा ने कहा कि वर्ष 2014 में मोदी सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ, सस्ती और सर्वसुलभ बनाने का संकल्प लिया था। इसी दृष्टि से जन औषधि और अमृत जैसी योजनाओं की परिकल्पना की गई, जिनका उद्देश्य नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण दवाएं रियायती दरों पर उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि 2015 में शुरू हुए अमृत फार्मेसी कार्यक्रम ने आज एक दशक में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। वर्तमान में देशभर में 255 अमृत आउटलेट कार्यरत हैं और निकट भविष्य में इन्हें बढ़ाकर 500 तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। यह नेटवर्क न केवल बढ़ रहा है बल्कि ज्यादा कुशल और मजबूत भी हो रहा है। नड्डा ने कहा कि अमृत फार्मेसी द्वारा 50 से 90 प्रतिशत तक की छूट पर दवाएं और इम्प्लांट उपलब्ध कराना बड़ी उपलब्धि है। अब तक 6.85 करोड़ से अधिक मरीज अमृत की सेवाओं से लाभान्वित हुए हैं। इसके अतिरिक्त 17 हजार करोड़ रुपये से अधिक की एमआरपी कीमत वाली दवाएं छूट पर प्रदान की गई, जिससे मरीजों को कुल मिलाकर 8,500 करोड़ रुपये से अधिक की बचत हुई है। अमृत फार्मेसी के बारे में जन-जागरूकता बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है, ताकि अधिक से अधिक नागरिक इस सुविधा का लाभ उठा सकें। समारोह में नड्डा ने कहा, 'हम सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। अमृत फार्मेसी नेटवर्क इसका सशक्त माध्यम है। एचएलएल पिछले 60 वर्षों से उत्कृष्ट सेवाएं दे रहा है और नया ईको-ग्रीन सिस्टम पूरी सप्लाई चेन को और अधिक स्मार्ट, तेज़ और कुशल बनाएगा।

झारखंड : धुर्वा डैम में जा गिरी अनियंत्रित गाड़ी,जज के 2 बॉडीगार्ड समेत 3 पुलिसकर्मियों की मौत

रांची,15 नवम्बर 2025। झारखंड के राजधानी रांची के नगड़ी थाना क्षेत्र स्थित धुर्वा डैम में शनिवार सुबह तीन पुलिसकर्मियों का शव बरामद हुआ है। मृतकों की पहचान प्रिंसिपल जिला जज जमशेदपुर के दो बॉडीगार्ड और सरकारी ड्राइवर के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, दो बॉडीगार्ड और ड्राइवर शुक्रवार देर रात धुर्वा डैम से होकर गुजर रहे थे, इसी दौरान उनका वाहन अनियंत्रित हो गया और धुर्वा डैम में जा गिरा। हादसे में तीनों की मौत हो गई। मृतकों में उपेंद्र कुमार सिंह, रोबिन कुजूर और सतेंद्र सिंह शामिल हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि शुक्रवार देर रात धुर्वा डैम के पास से एक वाहन गुजर रहा था,अचानक वह वाहन तेजी के साथ धुर्वा डैम में जा गिरा। सूचना मिलने पर धुर्वा और नगड़ी पुलिस मौके पर पहुंची। 2 से 3 घंटे की मशक्कत के बाद स्थानीय लोगों, गोताखोरों और पुलिस की मदद से कार को डैम से बाहर निकाला गया जिसमें से तीन शव और दो पुलिस हथियार बरामद किए गए।

लालू की बेटी रोहिणी आचार्य ने छोड़ी राजनीति कहा...मैं अपने परिवार से भी नाता तोड़ रही हूं....

पटना,15 नवम्बर 2025। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की पुत्री रोहिनी आचार्या ने राजनीति छोड़ने का एलान किया है। इतना ही नहीं उन्होंने अपने परिवार से दूरी बनाने की भी घोषणा कर दी है। रोहिणी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि मैं राजनीति छोड़ रही हूं और अपने परिवार से भी नाता तोड़ रही हूं। यह वही बात है जो संजय यादव और रमीज़ ने मुझसे कहने को कहा था। राजद की हार की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि मैं सारी ज़िम्मेदारी ले रही हूं। दरअसल, रोहिणी आचार्य, तेजस्वी यादव के करीबी संजय यादव की राजद में दखल से नाराज चल रही हैं। 18 सितंबर को भी उन्होंने किसी अन्य के सोशल मीडिया पोस्ट को शेयर करते हुए तेजस्वी यादव के साये बने राज्यसभा सांसद संजय यादव को निशाने पर लिया था। उन्होंने अपने भाई तेजस्वी यादव के करीबी सांसद संजय यादव को निशाना साधते हुए लिखा था कि लालू-तेजस्वी की जगह लेने की कोशिश करने वालों को देखना पसंद नहीं करती हैं।

60 लाख के लिए खूनी खेल! हमशक्ल को उतारा मौत के घाट,मिली सजा

अलवर15 नवम्बर 2025। राजस्थान के अलवर में बीमा की 60 लाख रुपए की राशि हड़पने के लिए रची गई एक बेहद खौफनाक साजिश का खुलासा हुआ है। तीन दोस्तों ने मिलकर ऐसी योजना बनाई,जिसमें उन्होंने एक ऐसे युवक की पहचान की जो उनके लापता साथी जैसा दिखता था। उद्देश्य सिर्फ इतना था कि उसे मारकर बीमे का पैसा ले सकें। इस मामले में अदालत ने मुख्य आरोपी अनिल खत्री को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। सरकारी वकील नवनीत तिवारी के मुताबिक, अनिल का भाई सुनील लंबे समय से लापता था। अनिल ने उसकी एलआईसी पॉलिसी के 60 लाख रुपए पाने के लिए सुनील को 'मृत' दिखाने की साजिश रची। इसके लिए अनिल ने अपने साथियों पवन और याकूब के साथ मिलकर ऐसे युवक की तलाश की जिसकी कद-काठी सुनील जैसी हो। तलाश के दौरान उन्हें सालपुर का 24 वर्षीय रामकेश मिला, जो महावीर ढाबे पर काम करता था। आरोपियों ने योजना के तहत पहले रामकेश से दोस्ती की। 30 सितंबर को उसे नए कपड़े और जूते दिए,फिर बोलेरो में बैठाकर शराब पिलाने के बहाने अपने साथ ले गए। मौका मिलते ही तीनों ने मिलकर उसकी हत्या कर दी। बाद में उसकी जेब में सुनील का वोटर आईडी कार्ड डालकर उसे सुनील साबित करने की कोशिश की,ताकि बीमा राशि क्लेम हो सके। शुरुआत में पुलिस ने शव को सुनील मानते हुए पंचनामा शुरू किया, लेकिन जल्द ही शक गहराया। जांच में अनिल और पवन गिरफ्तार हुए और पूछताछ में अनिल ने पूरा अपराध कबूल लिया। इससे पहले पवन और याकूब को आजीवन कारावास की सजा मिल चुकी थी। शुक्रवार को अनिल अदालत में पेश हुआ,जहां उसे आजीवन कारावास के साथ 20 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई।

संपादकीय

विपक्ष का कोई पैतरा नहीं आया काम

बिहार में एनडीए की जीत से निकले 7 अहम संदेश

बिहार में इतने एकतरफा नतीजे की उम्मीद किसी को नहीं रही होगी। चुनाव प्रचार के दौरान जो लड़ाई टक्कर की दिख रही थी, वह आखिर में केवल भ्रम साबित हुई। जनता ने न महागठबंधन के बदलाव के नारे पर यकीन किया और न ही प्रशांत किशोर की अलग राजनीति पर भरोसा जताया। आंकड़ों का विश्लेषण होता रहेगा, लेकिन मोटे तौर पर यह परिणाम कई संदेश देता है। इस चुनाव का माहौल बनना शुरू हुआ था स्पेशल इनटेनसिव रिवीजन से और आखिर में जंगलराज पर आकर टिक गया। महागठबंधन ने SIR को वोट चोरी के रूप में पेश किया। प्रक्रिया के दौरान आम लोगों को जिस तरह की दिक्कत आई, उससे ऐसा माहौल बना भी कि जनता में नाराजगी बढ़ रही है। लेकिन, लगता है कि आखिर में जनता ने इसे एक जरूरी प्रक्रिया समझ कर स्वीकार किया।

इलेक्शन में एडीए की ओर से सबसे ज्यादा कोई शब्द सुनाई पड़ा, तो वह था जंगलराज। यह लड़ाई अतीत की याद बनाम भविष्य के बीच भी थी। और केवल इसी बार नहीं, पिछले दो दशकों में बिहार में हुए हर चुनाव पर लालू-राबड़ी यादव के शासनकाल की छाया रही है। दोनों ही सक्रिय राजनीति में नहीं हैं, लेकिन एडीए ने उन्हें चर्चा में बनाए रखा। तेजस्वी यादव पूरे समय इसी नैरेटिव को तोड़ने में लगे रहे कि वक्त बदल चुका है और वह दौर अब नहीं लौटेगा। उन्होंने उल्टे अपराध पर नीतीश सरकार को घेरने की कोशिश की, पर सफल नहीं रहे।

तीसरा, नीतीश कुमार के लिए 20 बरसों में यह पहला विधानसभा चुनाव था, जहां वह गठबंधन का तो चेहरा थे पर सीएम पद के उम्मीदवार नहीं। उनके खराब स्वास्थ्य को लेकर भी अटकलें होती रहीं। लेकिन, परिणाम ने साबित किया है कि नीतीश अब भी बिहार के सबसे बड़े पॉलिटिकल ब्रैंड हैं। वह अब तक नौ बार सीएम पद की शपथ ले चुके हैं, कई बार उन्होंने पाला बदला,लेकिन जनता का यकीन उन पर बना हुआ है। इसकी बड़ी वजह उनकी बेदाग छवि भी है। बिहार के सामने सबसे बड़ा सवाल था कि क्या यह बदलाव का समय है और विकल्प कौन है? दोनों चरणों में रेकॉर्ड मतदान हुआ। यह संकेत था कि परिणाम भी ऐतिहासिक होगा। यह चुनाव याद रहेगा फ्रीबीज की घोषणा के लिए। पहली बार बिहार में इस तरह के ऐलान देखे,जहां दोनों तरफ से होड़ मची हुई थी। दोनों खेमों ने महिलाओं और युवाओं पर फोकस किया। आमतौर पर महिलाओं को शराबबंदी की वजह से नीतीश समर्थक माना जाता है। फिर चुनाव से ऐन पहले करीब डेढ़ करोड़ महिलाओं के खाते में 10 हजार रुपये भेजे गए, जो अहम फैक्टर साबित हुआ। तेजस्वी ने हर घर में सरकारी नौकरी का वादा जरूर किया, लेकिन यह सवाल आखिर तक उनके पीछे लगा रहा कि वह इसे पूरा कैसे करेंगे।

जनसुराज एआईएमआईएम और दूसरे छोटे दलों को निराशा मिली। प्रशांत किशोर के लिए खासकर यह बड़ा झटका है।

मनोरंजन ऐप्स की अंधी दौड़ और बढ़ती अश्लीलता

"डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म्स तेज़ मुनाफ़े की दौड़ में कला, संवेदनशीलता और सामाजिक मूल्यों को पीछे छोड़ते हुए अश्लीलता को नया 'मनोरंजन' बना रहे हैं — इसका दुष्प्रभाव विशेषकर युवाओं की मानसिकता पर गहरा और खतर नाक है।"

डिजिटल क्रांति ने जिस तेज़ी से दुनिया को बदला है, उतनी ही तीव्रता से उसने हमारे मनोरंजन के साधनों को भी प्रभावित किया है। मोबाइल फोन, इंटरनेट और सस्ते डेटा ने मनोरंजन को

डॉ. सत्यवान सौरभ,
बड़वा (सिवानी) भिवानी, हरियाणा

घरों से निकलकर सीधा हर व्यक्ति की जेब और हाथों तक पहुँचा दिया है। आज सैकड़ों एंटरटेनमेंट ऐप्स–वेब सीरीज़, शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया स्ट्रीमिंग और लाइव शो–हर सेकंड दर्शकों का ध्यान खींचने की होड़ में हैं। यह सुविधा जितनी शानदार लगती है, उतनी ही गहरी चिंताओं को भी जन्म देती है। क्योंकि इसी आसानी ने मनोरंजन की परिभाषा को खतरनाक रूप से बदल दिया है। अब मनोरंजन का अर्थ कला, संस्कृति, कहानी या संवेदनशीलता नहीं रह गया है–बल्कि तेज़ व्यूज़, वायरल कंटेंट और उत्तेजक दृश्यों की अंधी प्रतिस्पर्धा बन गया है।

आज स्थिति यह है कि अनेक ऐप्स जान-बूझकर अश्लीलता,फूहड़ हरकतों,भद्दे संवादों और उत्तेजक दृश्यों को परोस रहे हैं। यह सामग्री न तो किसी रचनात्मकता की मिसाल है और न ही इससे समाजिक चेतना का विस्तार होता है। इसके पीछे केवल एक लक्ष्य है–तेज़ी से अधिक दर्शक, और इन दर्शकों के माध्यम से विज्ञापन व सब्सक्रिप्शन से होने वाला मुनाफ़ा। मनोरंजन उद्योग ऐसे मोड़ पर आ खड़ा हुआ है जहाँ कला और संस्कृति की प्रतिष्ठा आर्थिक लालच के सामने निरर्थक होती जा रही है।

कभी भारतीय सिनेमा, थियेटर और

साहित्य समाज के जीवन-मूल्यों को सहेजने का माध्यम माने जाते थे। कहानी, संवाद, अभिनय और कल्पना की शक्ति दर्शकों को सोचने पर मजबूर करती थी। आज डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म्स ने इसका बिल्कुल उल्टा माहौल तैयार कर दिया है। वेब सीरीज़ और शॉर्ट वीडियो में आपत्तिजनक भाषा, निर्बाध अश्लीलता और अनावश्यक अंतरंग दृश्यों को ऐसे दिखाया जा रहा है जैसे यही आधुनिकता÷ या यथार्थवाद हो। जबकि सच्चाई यह है कि यह यथार्थ नहीं, बल्कि एक जानबूझकर पैदा किया गया भ्रम है– जिसमें दर्शक को उत्तेजना व सनसनी के माध्यम से बांधकर रखा जाए।इस दौड़ की सबसे बड़ी कीमत युवा पीढ़ी चुका रही है। किशोरों के हाथ में मोबाइल है और मोबाइल के अंदर ऐसी दुनिया है जो बिना किसी रोक-टोक के उन्हें प्रभावित कर रही है। किशोरावस्था वह समय होता है जब व्यक्तित्व, सोच,नैतिकता और सामाजिक मूल्य बनते हैं। लेकिन इन ऐप्स पर उपलब्ध सामग्री उन्हें तेज़-तर्रार,उथला और अक्सर भ्रमित कर देने वाला दृष्टिकोण देती है। संबंधों के प्रति गलत धारणाएँ बनती हैं, महिलाओं के प्रति सम्मान घटता है, और जीवन को केवल शारीरिक आकर्षण, भौतिकता और दिखावे के रूप में समझने की प्रवृत्ति बढ़ती है।आज का युवा जिस प्रकार की सामग्री रोज़ देख रहा है, वह उसके व्यवहार, शब्दों, संवेदनाओं और जीवन के आकलन को धीरे-धीरे बदल रही है। जिस चीज़ को वह ÷मनोरंजन÷ या ÷ट्रेंड÷ समझ रहा है, वह वास्तव में उनके भीतर मूल्यहीनता और अवसाद पैदा कर रही है। कई मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि इस प्रकार का कंटेंट आँखों को आकर्षित भले करे, लेकिन दिमाग पर भारी बोझ डालता है। तेज़्क्तेज़ दृश्यों, अश्लील संवादों, अनियंत्रित भावनाओं और आक्रामक प्रस्तुतियों से किसी भी किशोर का मानसिक संतुलन प्रभावित होना स्वाभाविक है।

लेकिन समस्या का एक और पहलू भी है– कंटेंट निर्माता और ऐप कंपनियाँ ज़िम्मेदारी से बचने के लिए 'यूज़र चॉइस', 'एडल्ट टैग' या 'व्यूअर डिस्क्रेशन' जैसे शब्दों का सहारा लेती हैं। वे यह कहती हैं कि दर्शक स्वयं चयन करें कि वे क्या देखना चाहते हैं। यह तर्क पूरी तरह गलत नहीं, लेकिन अधूरा अवश्य है। क्योंकि जब कोई ऐप अपनी पूरी मार्केटिंग रणनीति ही उत्तेजक और भड़काऊ सामग्री पर आधारित रखता है, तब दर्शक का चुनाव स्वतंत्र कम और प्रभावित अधिक होता है। जिस सामग्री को लगातार प्रमोट किया जाएगा, वही अधिक देखी जाएगी।

नियामक तंत्र की स्थिति भी उतनी ही कमज़ोर है। भारत में फिल्मों के लिए सेंसर बोर्ड है, टीवी के लिए प्रसारण नियंत्रण है, लेकिन डिजिटल ऐप्स लगभग बिना किसी प्रभावी नियंत्रण के चल रहे हैं। दिशा-निर्देश तो बनाए गए हैं, पर उनका पालन न तो कठोर है और न ही नियमित। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को लगता है कि वे आम मीडिया कानूनों से ऊपर हैं। उनका तर्क है कि इंटरनेट एक स्वतंत्र माध्यम है। लेकिन क्या स्वतंत्रता का अर्थ यह है कि समाजिक संतुलन को बिगाड़ने वाली सामग्री को खुली छूट दे दी जाए? क्या संस्कृति, नैतिकता और संवेदनाओं को नज़रअंदाज़ कर देना ही स्वतंत्रता है? समस्या का एक सामाजिक आयाम भी है। परिवार अपने स्तर पर बच्चों को रोकने की कोशिश करते हैं, लेकिन डिजिटल दुनिया की जटिलता इतनी है कि पूरी तरह नियंत्रण लगभग असंभव है। विशेषकर मध्यम वर्गीय और ग्रामीण परिवारों में डिजिटल साक्षरता अभी विकसित नहीं हुई है। माता-पिता यह नहीं जानते कि कौन-सा कंटेंट बच्चों के लिए अच्छा है और कौन-सा हानिकारक। ऐप कंपनियाँ भी माता-पिता को मार्गदर्शन देने के बजाय उनका उपयोगकर्ता विस्तार करने में अधिक रुचि रखती हैं। ऐसे समय में हमें यह समझना होगा कि समाधान केवल प्रतिबंधों में नहीं है। समाधान एक व्यापक सामाजिक जागरूकता, नैतिक उत्पादन नीति और कड़े नियमन के संतुलन में है। मनोरंजन कंपनियाँ स्वयं यह तय करें कि क्या दिखाना उचित है। वे कला और व्यावसायिकता के बीच संतुलन बनाएं। अश्लीलता के सहारे व्यूज़ पाने की आदत छोड़ें और रचनात्मक, भावनात्मक तथा सामाजिक रूप से उपयोगी सामग्री प्रस्तुत करें। साथ ही, सरकार को डिजिटल प्लेटफार्मों पर वैसा ही नैतिक नियंत्रण लागू करना होगा जैसा टीवी या फिल्मों पर होता है। पारदर्शी नियम, कठोर दंड और स्पष्ट श्रेणीकरण इस दिशा में आवश्यक कदम हो सकते हैं। समाज का कर्तव्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अभिभावकों को डिजिटल साक्षरता दी जानी चाहिए। युवाओं को यह समझाया जाना चाहिए कि मनोरंजन और उत्तेजना में बहुत अंतर होता है। फूहड़ता से मिली त्वरित प्रसन्नता जीवन के गहरे अनुभवों और रचनात्मक आनंद का विकल्प नहीं हो सकती।मनोरंजन का उद्देश्य केवल चौंकाना या उत्तेजित करना नहीं है; उसका उद्देश्य मन को संवेदनशील बनाना, सोच को गहराई देना और समाज को बेहतर दिशा देना है। लेकिन जब ऐप्स की दुनिया कला को छोड़कर अश्लीलता की ओर भागने लगे, तब संस्कृति और सभ्यता दोनों संकट में पड़ती हैं।हमारे सामने आज यही प्रश्न है–क्या हम ऐसी डिजिटल दुनिया चाहते हैं जहाँ मनोरंजन का आधार रचनात्मकता, सांस्कृतिक मूल्य और सामाजिक ज़िम्मेदारी हो? या हम ऐसे युग में प्रवेश करने जा रहे हैं जहाँ उत्तेजना ही कला बन जाएगी और सनसनी ही मनोरंजन?समय की मांग है कि हम स्पष्ट रूप से कहें हमें मनोरंजन चाहिए–लेकिन ऐसा नहीं जो समाज को खोखला कर दे।अगर डिजिटल दुनिया इस दिशा में नहीं बदली, तो आने वाली पीढ़ियाँ एक ऐसे सांस्कृतिक अंधकार में प्रवेश करेंगी, जहाँ मनोरंजन तो बहुत होगा, पर उसका कोई अर्थ नहीं बचेगा।

विद्यालयों को आनंदघर बनाने की आवश्यकता एवं चिंतन दृष्टि

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा, उ.प्र.

समाज एवं शिक्षकों के समक्ष विद्यालयों को आनंदघर बनाने का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करने वाले बाल देवो भव आत्मीय भाव के अनन्य उपासक शिक्षाविद् गिरिजाशंकर भगवानजी बधेका, जो शिक्षा जगत् में गिजुभाई बधेका उपनाम से जाने जाते हैं, शैक्षिक कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरक एवं मार्गदर्शक हैं। उन्होंने पारम्परिक शिक्षा में व्याप्त जडता, उपदेशात्मक,तोतारटंत एवं अध्यापक केंद्रित शिक्षण पद्धति से जूझकर लोकतांत्रिक,बालकेंद्रित एवं समझ आधारित आनंदमय शिक्षण पद्धति प्रचलित करते हुए विद्यालयों को आनंदघर के रूप में विकसित करने, रूपांतरित करने का न केवल विचार प्रस्तुत किया बल्कि पहल करते हुए उस विचार को साकार कर उदाहरण भी उपस्थित किया। पाठकों के मन में अब यह सवाल उभरना स्वाभाविक है कि आनंदघर विद्यालय क्या है, किस विद्यालय को आनंदघर का दर्जा दिया जाये।

आनंदघर विद्यालय के बारे में विचार रखने के पहले मुझे लगता है कि विद्यालयों एवं शिक्षकों को लेकर अभिभावकों एवं समुदाय में बनी छवि को पकड़ने की कोशिश की जाये।सामान्यतौर पर बच्चे उमंग,उल्लास एवं उत्साह से भरे रहते हैं। उनके अंदर रचनात्मक ऊर्जा का प्रवाह सतत गतिमान होता है। वे हमेशा कुछ न कुछ नया रचते-गुनते-बुनते रहते हैं। अपनी कल्पना को साकार रूप देने के लिए अवसर और जगह तलाशते रहते हैं और जहां भी उनको उचित मौके मिलते हैं, वे अपनी सर्जना आरम्भ करने लग जाते हैं। हमारे परिवारों एवं पड़ोस में कम उम्र के ऐसे बच्चे होते हैं जो विद्यालय नहीं जा रहे होते हैं। वे घर-पड़ोस में ही पूरा दिन गुजारते हैं। गहराई से देखें कि वे बच्चे अपनी रचनात्मकता का प्रकटीकरण कैसे करते हैं। अनुभव से गुजरे कुछ उदाहरण साझा करता हूं। पड़ोस के एक घर में चार साल के एक बच्चे अक्षांश ने एक दिन मेज पर पड़ा पेन उठाया और पांचवीं में अध्ययनरत अपनी दीदी संस्कृति के विभिन्न विषयों की कापियां बस्ते से निकाल-निकाल चेक कर दीं (किसी को ऐसा करते हुए देखा होगा), खाली पृष्ठों पर आड़ी-तिरछी, खड़ी-पड़ी रेखाओं से चित्र बना दिये, जिसे केवल वही समझ सकता था। बच्चे का यह चित्रांकन देख उसकी मम्मी गुस्सा हुईं और कहा कि कल ही स्कूल में नाम लिखवाती हूं तो सब कलाकारी निकल जायेगी। जबकि बच्चे ने एक चित्र को दिखाकर कहा कि यह मम्मी-पापा हैं, यह संस्कृति दीदी है, ये बिल्ली और कुत्ता हैं, हाथी है,घर,टीवी, कुर्सी-मेज,फूल,आम,केला आदि बनाये हैं,जबकि बड़ों को सिवाय टेढ़ी-मेढ़ी रेखाओं के कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। पर वह खुश था। एक अन्य उदाहरण, मेरे घर पर एक किरायेदार थे। उनकी चार साल की बेटी गुनगुन थी। एक दिन घर में एक पड़ोसन अपने तीन साल के बच्चे सिमोनी के साथ आईं। वह पत्नी के साथ बातचीत में व्यस्त हो गईं। इधर गुनगुन, सिमोनी को लेकर ऊपर अपने कमरे गई और मम्मी की ड्रेसिंग टेबल से लिपिस्टिक निकाल कर पूरे चेहरे पर खूब लगाया। फिर काजल लगाया और अंत में सिंदूर पोत लिया। जब वह पड़ोसन चलने को हुईं तो सिमोनी की खोज हुई। देखा कि दोनों बच्चों का पूरा मुंह, हाथ-पैर लाल। सहसा लगा कि कहीं गम्भीर चोट लग गई है और ढेर सारा खून बह गया है। पड़ोसन चिल्लाईं कि क्या हुआ, कैसे हुआ। बच्चों

ने मासूम सा उत्तर दिया,आंटी, हम मंकी-मंकी खेल रहे थे। दोनों बच्चों की मम्मियों का एक साथ स्वर गूंजा,स्कूल में नाम लिखा देते हैं तो सब शैतानी निकल जायेगी। एक अंतिम उदाहरण और, एक गांव में जहां मैं पदस्थ हूं। एक दिन दो व्यक्ति अपने 5-6 साल के दो बच्चों को लेकर आये और बोले कि ये दिन भर आवारागर्दी और शैतानी करते हैं। मेरे पूछने पर वे बोले कि दिन भर पड़ोस के घर-खेतों में घूमना, अमरूद के पेड़ों चढ़ना-झूलना, चिड़ियों के पंख बीनना, बस यही काम हैं इनके। स्कूल इसीलिए लाए हैं कि सुधर जायें। बच्चे रुआंसे थे, मेरी किसी भी बात का उत्तर नहीं दे रहे थे। एक दिन जब मैं उन बच्चों और अभिभावकों से मिलने जा रहा था तो उनमें से एक के पिता की आवाज कानों से टकराई कि स्कूल में जब दिन भर बंद रहोगे तो तभी आदमी बनोगे।

इन तीन उदाहरणों में घटनाएं अलग हैं पर उनसे निकला संदर्भ एक है कि स्कूल एक बाड़ा है, कैद है, जहां बच्चे 6-7 घंटे के लिए बंद हैं, जहां उन्हें अपने मन की करने की आजादी नहीं है और जहां कोई अन्य व्यक्ति अर्थात् शिक्षक उनको निर्देशित-नियंत्रित करेगा। कहना नहीं होगा कि समाज द्वारा स्कूल की छवि एक कैदखाने या सर्कस की और शिक्षक की जेलर या रिंग मास्टर के रूप में गढ़ दी गयी है। इसीलिए जब अभिभावक बच्चों का दाखिला कराने स्कूल लाते हैं तो वे रोते हैं, स्कूल नहीं आना चाहते हैं। यह दृश्य शहरी एवं ग्रामीण स्कूलों में सभी जगह समान रूप से दिखाई देता है। कारण की पड़ताल करें तो यह स्पष्ट होता है कि बच्चों के मन में परिवार एवं समाज द्वारा स्कूलों के प्रति एक नकारात्मक छवि निर्मित कर दी गई है जहां तमाम बंधन हैं, गुलामी है, किसी का निर्देश एवं नियंत्रण है। जबकि होना यह चाहिए था कि बच्चों के स्कूल जाने के पूर्व की स्वस्थ सकारात्मक तैयारी होती। स्कूल को लेकर यह बताया जाता कि वहां तुम्हें अपने मन का काम करने और अपने जैसे तमाम बच्चों के साथ खेलने-कूदने, रचने-बुनने के असीम और स्वतंत्र अवसर मिलेंगे जैसे कि घर और पड़ोस में। नानी के घर जैसी खुशी मिलेगी। गीत, कहानी, खेल और नाटक होंगे। जहां नित नये अनुभवों से गुजर कर सहज सीखना सम्भव हो सकेगा। पर ऐसा हुआ नहीं। रही सही कसर विद्यालयों की नीरसता, जडता और शिक्षकों के निष्ठुर व्यवहार ने पूरी कर दी। फलत÷ बच्चों को विद्यालय अपनी सपनीली जगह नहीं लगी, वे उसे कैद समझने लगे। इसीलिए विद्यालय आते समय बच्चों में उत्साह नहीं दिखता लेकिन छुट्टी के समय बच्चों के चेहरों पर तैरती खुशी, हृदय में उत्ताल उमंग देखी जा सकती है मानो वे मुक्ति का उत्सव मनाने की राह पर निकले हों। लेकिन विद्यालय आनंदघर बन गये होते तो विद्यालय आने की ललक, सीखने की खुशी, अधिक ठहरने का उल्लास विद्यालय परिसर में सिंधु ज्वार सा उमड़ता दृष्टिगोचर होता।

लेकिन परिदृश्य केवल नैराश्य से भरा नहीं अपितु आशा का संचार करने वाले उदाहरणों से सुस्मित-सुवासित भी है। बहुत से शिक्षक-शिक्षिकाएं और शिक्षक समूह इस दिशा में सार्थक प्रयत्न कर रहे हैं। डॉ. दामोदर जैन (भोपाल) के नेतृत्व में शिक्षक संदर्भ समूह मध्यप्रदेश में तथा दुर्गेश्वर राय (गोरखपुर, उ.प्र.) के संयोजन में शैक्षिक संवाद मंच% विद्यालयों को आनंदघर के रूप में रूपांतरण हेतु अभियान चला रहे हैं। इसके पहले कि लेख समाप्त करूं, आनंदघर विद्यालय को समझते हैं। मुझे लगता है कि जिन विद्यालयों में उमंग, उत्साह एवं सर्जना का ऐसा रचनात्मक वातावरण तैयार हो जहां अभिव्यक्ति के अनुकूल और बेहतर अवसर प्राप्त कर बिना डर, भय एवं तनाव के लोकतांत्रिक परिवेश में बच्चों का सीखना निर्बाध संभव हो सके। जहां दण्ड-पुरस्कार भाव से परे बचपन खिले-महके। जहां बच्चों की इच्छा-आकांक्षा और कोमल कल्पनाओं को सुनहरे पंख मिल सकें। जहां उन्हें प्यार-दुलार, सम्मान और मानवोचित गरिमापूर्ण व्यवहार मिले। छात्र-शिक्षक संबंध बाल मैत्रीपूर्ण हों और विद्यालय वह रचना स्थल बने जहां बच्चे परस्पर मिलकर ज्ञान का निर्माण कर सकें। बच्चों की हर नवल सर्जना की स्वीकृति हो, स्थान एवं महत्व हो। शिक्षक पाठ नहीं बच्चों को पढ़ें-पढ़ायें। शिक्षक आनंदित मन हों जो बच्चों को स्वयं कल्पना करने, सोचने, खोजबीन करने एवं संवाद के अवसर उपलब्ध करायें। जहां उनकी अपनी भाषा-बोली और समझ को महत्व मिले और उनके निर्णयों को भी महत्व दिया जाये। घंटी हो नहीं और यदि हो तो बच्चों के लिए विद्यालय की घंटी में शोर नहीं बल्कि संगीत के मधुर स्वर गूंजे, ऐसे विद्यालय को आनंदघर विद्यालय कहा जायेगा।

आज विद्यालयों को आनंदघर बनाने की जरूरत है। सरकार, समाज और शिक्षक संगठनों को मिलकर इसे साकार करने का संकल्प लेना होगा। विद्यालयों को आनंदघर बनाने की यह यात्रा ऐसे ही गतिमान रहेगी। नये समर्पित साथी जुड़कर इस प्रवाह को समृद्ध करेंगे। हमारे विद्यालय आनंदघर बनकर बच्चों का स्नेह सिंचन करें, यही कामना है।

महागठबंधन के लिए महासंकट की घड़ी

भविष्य पर भी सवालिया निशान

राज कुमार सिंह

महागठबंधन पिछले बिहार विधानसभा चुनाव में सत्ता की दौड़ में राजग से एक प्रतिशत से भी कम वोटों और 15 सीटों से पिछड़ गया था तो हार का ठीकरा कांग्रेस के सिर फोड़ा गया था। तब 70 सीटों

पर लड़ी कांग्रेस 19 ही जीत पाई थी। वाम दलों का प्रदर्शन भी उससे बेहतर रहा। कांग्रेस इस बार और भी कमजोर कड़ी साबित हुई। राजद और कांग्रेस में अंत तक औपचारिक सीट बंटवारा नहीं हो पाया। परिणामस्वरूप दस से भी ज्यादा सीटों पर दोस्ताना मुकाबला हुआ, पर महागठबंधन और राजग के बीच मत प्रतिशत एवं सीटों में भारी अंतर बताता है कि अतीत से सबक सीखने के बजाय और अधिक गलतियां की गईं। गठबंधन राजनीति में दलगत हितों के बीच ही संतुलन और समन्वय की राह निकालनी पड़ती है। चूंकि शह-मात की तमाम अटकलों के बीच भी राजग यह काम कर पाया, इसलिए 'सत्ता विरोधी' भाव के बजाय 'सत्ता समर्थक' चुनावी लहर दिखी। पिछले चुनाव में मामूली अंतर से सत्ता की दौड़ में पिछड़ने के बाद महागठबंधन को जमीनी राजनीति में जो काम करना चाहिए था, उसके बजाय वह आपसी खींचतान में ही लगा रहा। इसे बेहतर सामाजिक समीकरण से ही पाटा जा सकता था, लेकिन इस दिशा में कुछ खास नहीं किया जा सका। मात्र 15 सीटें पाने वाले मुकेश सहनी को जिस तरह उप मुख्यमंत्री चेहरा घोषित किया गया, उससे महागठबंधन को चुनावी नुकसान ही हुआ। 61 सीटों पर चुनाव लड़ रही कांग्रेस के नेता और समर्थक तो बिदके ही, कई सीटों पर निर्णायक भूमिका निभाने वाले मुसलमान और दलित भी निराश हुए। 143 सीटों पर लड़े राजद ने जिस तरह 52 यानी लगभग 36 प्रतिशत यादव उम्मीवार उतारे, उससे अन्य ओबीसी जातियों, खासकर ईबीसी में नकारात्मक संदेश गया। मुख्यत÷ यादव-मुस्लिम जनाधारवाला राजद अन्य वर्गों को ज्यादा टिकट देकर अपना और महागठबंधन का जनाधार बढ़ाने की कोशिश कर सकता था।अपने गठबंधन और सीट बंटवारे से राजग सर्वसमाज के प्रतिनिधित्व का संदेश देने में सफल रहा, लेकिन महागठबंधन ऐसा नहीं कर पाया। तेजस्वी जंगलराज के बोझ से मुक्त नहीं हो पाए और उसकी पुनरावृत्ति का डर दिखा कर राजग एक बार फिर बाजी मार ले गया। राजग के मंच से लालू परिवार को महाभ्रष्ट परिवार भी कहा गया, क्योंकि लगभग पूरा परिवार ही भ्रष्टाचार के मामलों में कानूनी शिकंजे में है। बेशक चुनाव में कई मुद्दे काम करते हैं, लेकिन कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार ऐसे मुद्दे हैं, जिनसे जनता सीधे प्रभावित होती है।

नया आतंकी मॉड्यूल

जब भी देश पर आतंकी हमले होते हैं, प्रधानमंत्री मोदी किसी अज्ञात जगह या दूरदेश में होते हैं। पुलवामा हमले के दौरान प्रधानमंत्री जिम कॉर्बेट के जंगलों में सफारी और शूटिंग का आनंद ले रहे थे, जबकि कल जब दिल्ली में हमला हुआ, तब मोदी भूटान में थे। भूटान के चांगलिमथांग स्टेडियम से उन्होंने चेतावनी दी, 'आतंकवादी हमलों की साजिश रचनेवालों को बख्शा नहीं जाएगा।' असल में, 'बख्शा नहीं जाएगा' एक बहुत ही ढीली रूटीन भाषा है। इसलिए ऐसे जुबानी तीरों से क्या होगा? आतंकवादियों ने वहां साजिश रची और उसे अंजाम दिया। उस हमले में लोग मारे गए, वहां खून-खराबा हुआ और आप चेतावनी दे रहे हैं कि 'उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।' दिल्ली बम विस्फोट को कश्मीर मुद्दे से जो ा जा रहा है। सवाल यह है कि देश के गृहमंत्री की कोई जिम्मेदारी है या नहीं? गृहमंत्री ने संसद में छाती ठोककर दो बयान दिए थे और बाद में उन पर वोट भी मांगे थे। श्री शाह ने कहा था, 'हमारी सरकार ने कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटाने का साहस दिखाया। पिछली सरकार कायर थी। हमने अनुच्छेद-370 हटाकर कश्मीर समस्या का समाधान कर दिया है। अब कश्मीर से आतंकवाद का पूरी तरह से सफाया हो जाएगा।' हकीकत में इसका उल्टा होता दिख रहा है। नोटबंदी के साथ भी यही हुआ। जब प्रधानमंत्री मोदी ने अचानक नोटबंदी की घोषणा की, तो मोदी ने कहा था कि नोटबंदी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए है। इसके अलावा, शेखी भी बघेरी थी कि नोटबंदी कश्मीर में आतंकवाद की कमर तो

देगी और आतंकवादियों की वित्तीय आपूर्ति बंद कर देगी, लेकिन वे सब कोरी बातें निकलीं। कश्मीर में आतंकवाद खत्म नहीं हुआ है। इसके विपरीत, भारत में आतंकवाद के नए स्लीपर सेल और मॉड्यूल उभरे हैं और उनका पता लगाने में गृह मंत्रालय कमजोर साबित हुआ। हम इसे आतंकवाद का एक नया 'मॉड्यूल' या 'स्लीपर सेल' कहते हैं। क्योंकि दिल्ली बम धमाकों के बाद जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया उनमें पे`-लिखे युवा और डॉक्टर शामिल हैं। मुख्य संदिग्ध, डॉ. उमर नबी उच्च शिक्षित है। अगर यह 'आतंकी मॉड्यूल' पूरे देश में पैसल गया है और अगर उनके पास हथियार और विस्फोटक पहुंच गए हैं, तो गृह मंत्रालय दिल्ली में बैठकर क्या कर रहा है? हकीकत यह है कि वह देश की सुरक्षा के बजाय विपक्ष के खिलाफ साजिश रचने में व्यस्त है। सबसे अधिक आतंकवादी हमले भारतीय जनता पार्टी के कार्यकाल में हुए। भाजपा के लोग इन सभी हमलों के लिए पिछली सरकारों को दोषी ठहराकर बच निकलते हैं। आज देश में सबसे ज्यादा सुरक्षा भाजपा नेताओं, मंत्रियों, भाजपा और आरएसएस मुख्यालयों को दी जाती है। आरएसएस प्रमुख भागवत सैके ों कमांडो से घिरे रहते हैं। दिल्ली में भी सुरक्षा घेरे बनाए गए हैं। ऐसे समय में आम आदमी की सुरक्षा कौन करेगा? जब संसद पर हमला हुआ था, तब भी केंद्र में भाजपा की सरकार थी और आज, जब लाल किले पर हमला हुआ, तब भी भाजपा सत्ता में है। भाजपा हमेशा से राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर बेपरवाह रही है। भाजपा के कार्यकाल में पहलगाम,पुलवामा,उरी,पठानकोट,अक्षरधाम, अमरनाथ जैसे भयानक हमले हुए। इनमें से ज्यादातर हमले हमारे सैन्य प्रतिष्ठानों पर हुए, जबकि यह भारतीय गृह मंत्रालय की बहुत बड़ी विफलता है, गृहमंत्री शाह खुद को सरदार पटेल किस आधार पर समझते हैं? सुबह दिल्ली में 2,500 किलो विस्फोटक मिलता है और शाम को लाल किला इलाके में हमला हो जाता है। इस दौरान जांच एजेंसियां क्या कर रही थीं? देश का एक बे ा वर्ग इस मंशा से राजनीति में लगा हुआ है कि भारत में ऐसे ही आतंकवादी हमले होते रहें, हिंदू-मुसलमानों में फूट पड़े और एकत्रित हिंदू वोट पाकर उसका फायदा उठाया जाए।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
–सम्पादक

CMYK

भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस के जिला स्तरीय कार्यक्रम का गरिमामयी आयोजन सम्पन्न

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 15 नवम्बर 2025/ (घटती-घटना)।

भगवान बिरसा मुण्डा की 150 वीं जयंती 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर शनिवार को राजमोहिनी देवी भवन ऑडिटोरियम में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के वित्त, वाणिज्य,आवास एवं पर्यावरण,योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री ओ. पी. चौधरी उपस्थित रहे। इस दौरान लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज, सीतापुर विधायक श्री रामकुमार टोप्पो, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह,उपाध्यक्ष देवनारायण यादव,महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, नगर निगम सभापति श्री हरमिंदर सिंह टिन्नी, सरगुजा संभागायुक्त श्री नरेन्द्र दुग्गा,पुलिस महानिरीक्षक श्री दीपक झा,कलेक्टर श्री विलास भोसकर,पुलिस अधीक्षक श्री राजेश अग्रवाल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि,जिले के अधिकारी-कर्मचारी,विभिन्न आदिवासी समाजों के प्रतिनिधि,आमजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल रूप से जुड़कर विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने आदिवासियों के उत्थान में भगवान बिरसा मुंडा की भूमिका को स्मरण कर उन्हें नमन किया तथा देश की आजादी में आदिवासी समुदाय के महापुरुषों के त्याग एवं बलिदान को याद किया। जनजातीय गौरव दिवस की सभी को शुभकामनाएं दीं। जिला स्तरीय कार्यक्रम में मंत्री श्री ओ पी चौधरी ने कहा कि देश की स्वतंत्रता में स्वयं को समर्पित करने वाले आदिवासी समाज के सेनानियों का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि आज भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर हम उन्हें नमन करते हैं, अंग्रेजों के खिलाफ लड़ते हुए उन्होंने अपना जीवन न्योछावर कर दिया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी के जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में स्थापित किया है। हम ऐसे महान स्वतंत्रता संग्राम राष्ट्र सेनानियों को याद करें, इसके लिए जनजातीय गौरव दिवस मनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि जनजातीय गौरव वर्ष जनजातीय समुदायों के योगदान, गौरवशाली इतिहास और उनकी विरासत को समर्पित है। लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज ने जनजातीय गौरव दिवस की सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जनजातीय समाज को लाभ दिलाने के उद्देश्य से शासन द्वारा कई योजनाएं शुरू की गई। जिसका प्रत्यक्ष लाभ आदिवासियों की जीवन शैली में नजर आ रहा। आज देश के गांव-गांव तक सड़क पहुंच रही है, स्वास्थ्य सुविधाएं लोगों तक पहुंची है, आदिवासी क्षेत्रों तक शिक्षा, पेयजल, विद्युत पहुंच गए हैं। शासन आदिवासी समुदाय को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रही है, इसलिए आज हम जनजातीय गौरव दिवस मना रहे हैं। सीतापुर विधायक श्री रामकुमार टोप्पो ने कहा कि आज का दिन अपने आप में गौरव का दिवस है। आजादी के पहले अंग्रेजों के द्वारा आदिवासियों की जमीन लूटी गई, उनकी संस्कृति को तहस-नहस किया गया। तब भगवान बिरसा मुण्डा ने आंदोलन किया और इस आंदोलन के कारण यह नियम बना कि कोई भी आदिवासी का जमीन नहीं खरीद सकता। आज यह नियम आदिवासियों के लिए वरदान है। उन्होंने कहा कि आदिवासियों के द्वारा देश की आजादी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई है। कई ऐसे महापुरुष हुए जिन्होंने आंदोलनों के माध्यम से अंग्रेजों के खिलाफ खड़े रहे। वहीं संस्कृति को बचाने में भी आदिवासी समुदायों ने अपनी भूमिका निभाई है।

बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी हुए सम्मानित

इस दौरान हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूल की बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले जिले के अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थी सम्मानित हुए। इस दौरान 10वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों में शासकीय प्रयास आवासीय विद्यालय अम्बिकापुर से समली,शारदा सिंह एवं विद्या सिंह,संत यूजिन अंग्रेजी माध्यम बोदा बतौली से निलिश्मा तिर्की तथा शा.बहु.उ.मा. विद्यालय अम्बिकापुर से आलोक कुमार सम्मानित हुए। वहीं 12 वीं हायर सेकेण्डरी स्कूल परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों में क्रिश्चियन उ.मा.वि. सूर्यापारा से अनुप खेस्स,विवेकानंद विद्या निकेतन उ.मा.वि अम्बिकापुर से जेनीरीमा मिंज एवं कविता टोप्पो, शासकीय प्रयास आवासीय विद्यालय अम्बिकापुर से समीर खाखा एवं शासकीय बालक उ.मा.वि. लुण्ड्रा से अनुराग सिंह सम्मानित हुए।

तेज रफ्तार इनोवा ने बाइक सवार को मारी टक्कर,मौतःनेशनल हाईवे-130 पर हादसा
हॉस्पिटल पहुंचने से पहले युवक की गई जान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 15 नवम्बर 2025/ (घटती-घटना)।

अंबिकापुर-बिलासपुर मुख्य मार्ग में ग्राम लहपटरा के पास तेज रफ्तार इनोवा की टक्कर से बाइक सवार उछलकर सड़क पर जा गिरा। गंभीर रूप से घायल युवक की मौत हो गई। हादसे में इनोवा वाहन का टायर फट गया तो चालक अलाय व्हील में ही वाहन भगाते हुए 3 किलोमीटर दूर गांव के एक घर में छिपा दिया। पुलिस ने वाहन को जब्त कर लिया है। मामला लखनपुर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक,ग्राम लोसगा निवासी सुदामा (22) शुक्रवार शाम अपनी होंडा ड्रीम युगा बाइक पर सवार होकर अंबिकापुर की ओर आ रहा था। नेशनल हाईवे-130 में अंबिकापुर की ओर से लखनपुर की ओर जा रही तेज रफ्तार इनोवा क्रिस्टा एसयूवी के चालक ने बाइक को सीधे टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक उछलकर सड़क पर गिर गया। सिर में आई गंभीर चोट के कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

हॉस्पिटल पहुंचने से पहले मौत,इनोवा जब्त

गंभीर रूप से घायल युवक को मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल अंबिकापुर लाया गया,जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की शिनाख्त होने के बाद सूचना परिजनों को दी गई। हादसे में इनोवा वाहन के सामने का एक टायर फट गया। टायर फटने के बाद अलाय व्हील में ही गाड़ी को भगाते हुए इनोवा का चालक ग्राम पलगढ़ी पहुंचा और गाड़ी को एक घर में छिपा दिया। वाहन का चालक फरार हो गया। घटना की सूचना पर पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से इनोवा वाहन को जब्त कर लिया है। वाहन लखनपुर के सदानंद महंत की बताई गई है। पुलिस ने शनिवार को युवक के शव का पोस्टमॉर्टम कराया और शव परिजनों को सौंप दिया है। मृतक सुदामा के पिता कामेश्वर की पूर्व में मौत हो चुकी है। युवक अंबिकापुर में अपने मामा के घर रहकर कारपेंटर का काम करता था। लखनपुर पुलिस मामले की जांच की जा रही है।

मंत्री श्री नेताम ने काका लरंगसाय के प्रतिमा का किया अनावरण

-संवाददाता-
बलरामपुर, 15 नवम्बर 2025/ (घटती-घटना)।

कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने अपने बलरामपुर प्रवास के दौरान विभिन्न कार्यों का लोकापर्ण एवं भूमिपूजन करते हुए नगरवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने नगर पालिका परिसर अंतर्गत हॉस्पिटल चौक के पास 12.50 लाख रुपये की लागत से स्थापित स्वर्गीय काका लरंगसाय की प्रतिमा का अनावरण किया। तत्पश्चात मंत्री श्री नेताम ने चांदो चौक में 30 लाख रुपये की लागत से निर्मित अटल परिसर का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने 4 करोड़ 48 लाख रुपये की लागत से बनने वाले नालंदा परिसर एवं 1 करोड़ 95 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले मांगलिक भवन का विधिवत भूमिपूजन किया। मंत्री ने कहा कि ये दोनों परियोजनाएँ क्षेत्र के सामाजिक एवं शैक्षणिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगी। मंत्री श्री नेताम ने कहा कि शासन द्वारा ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ कर जनजीवन को और अधिक सुगम बनाने का प्रयास जारी है।

धान खरीदी में हड़ताल का असर,प्रशासन ने की नई नियुक्तियां

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 15 नवम्बर 2025/ (घटती-घटना)।

जिले में 15 नवंबर से शुरू हुई समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के बावजूद समिति प्रबंधकों और कंप्यूटर ऑपरेटरों की अनिश्चितकालीन हड़ताल से खरीदी कार्य में बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं। हड़ताल के कारण अधिकांश धान उपार्जन केंद्रों पर ताले लटके हुए हैं,जिससे किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, जिला प्रशासन ने इस समस्या का समाधान करने के लिए हर केंद्र पर नए प्रभारी और ऑपरेटरों की नियुक्ति की है, लेकिन उनके अनुभव की कमी के कारण काम में रुकावटें आ रही हैं। जिले में कुल 54 समिति प्रबंधक और 54 ऑपरेटर हैं, जो 3 नवंबर से अपनी विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं। इनमें प्रमुख मांगें हैं कि धान की खरीदी के दौरान कम मात्रा में धान मिलने के बावजूद उन पर जिम्मेदारी डाली जाती है। साथ ही, वे यह भी शिकायत कर रहे हैं कि उनके काम के अनुरूप वेतन नहीं मिल रहा है। इसके चलते समिति प्रबंधकों और ऑपरेटरों की हड़ताल ने धान खरीदी कार्य को प्रभावित किया है।

प्रशासन ने उठाए कदम

जिला प्रशासन ने इस स्थिति से निपटने के लिए हर धान खरीदी केंद्र में नए प्रभारी और कंप्यूटर ऑपरेटर की नियुक्ति की है।

इसके अलावा,सुरक्षा और निगरानी के लिए उडनदस्ता दल भी गठित किया गया है ताकि खरीदी कार्य में किसी प्रकार की गड़बड़ी न हो। बावजूद इसके, प्रशासन की नई नियुक्तियां कम अनुभवी कर्मचारियों की वजह से खरीदी प्रक्रिया में व्यवधान उत्पन्न कर रही हैं। पहले दिन ही कुछ समितियों में ताले लटकते रहे, जिससे किसानों को धान बेचने में कठिनाई हुई।

धान खरीदी महापर्व की शुरुआत

इसके बावजूद, जिले में 15 नवंबर को धान खरीदी महापर्व की शुरुआत हुई। पहले दिन धान बेचने पहुंचे किसान अनंत मंडल ने 20 क्विंटल धान बेचकर पहले टोकन का लाभ उठाया। कलेक्टर विलास भोसकर ने उनका स्वागत किया और फूल-माला पहनाकर उन्हें सम्मानित किया। मंडल ने कहा कि उनके पास कुल 78 क्विंटल धान है और पहले दिन ही 20 क्विंटल बेचकर वह खुश हैं। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा प्रति क्विंटल 3100 रुपये के समर्थन मूल्य को किसानों के लिए एक बड़ी राहत बताया।

कलेक्टर ने दी स्पष्ट निर्देश

कलेक्टर ने धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी किसान को टोकन, तौल या भुगतान में कोई समस्या न हो। उन्होंने कहा कि केंद्रों पर ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए जिससे किसान कम समय में अपना धान बेचकर घर लौट सकें और उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

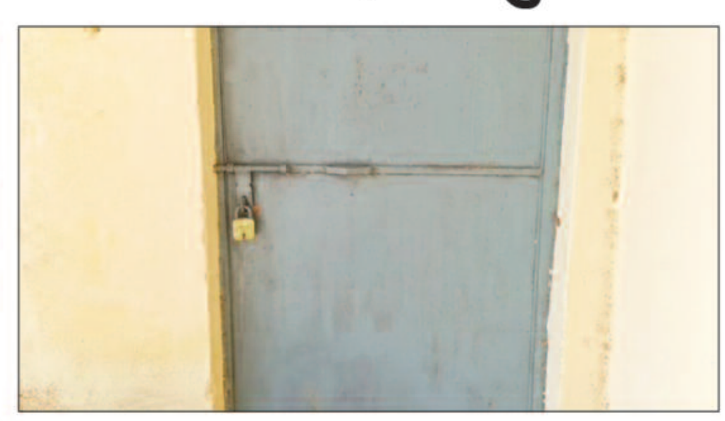

वायरल बर्खास्तगी नोटिस से हलचल

इस बीच, हड़ताल पर बैठे समिति प्रबंधकों और ऑपरेटरों को लेकर बर्खास्तगी की एक वायरल नोटिस चर्चा का विषय बनी हुई है। हालांकि, यह नोटिस अभी तक हड़ताली कर्मचारियों को आधिकारिक रूप से नहीं मिला है और इसे संदिग्ध माना जा रहा है। वायरल नोटिस में कहा गया है कि सरगुजा में एक और कोरिया में दो समिति प्रबंधकों को बर्खास्त किया गया है। इस नोटिस ने हड़ताली कर्मचारियों के बीच हलचल मचा दी है, हालांकि इसकी सच्चाई पर अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

आने वाले समय में चुनौती

जिले में इस वर्ष लगभग 55,937 पंजीकृत किसान हैं, और धान की फसल लगभग 58,219 हेक्टेयर में फैली हुई है। 54 धान उपार्जन केंद्रों के माध्यम से इन किसानों से धान खरीदी की जाएगी। ऐसे में यदि हड़ताल जारी रहती है और प्रशासन के द्वारा नियुक्त किए गए नए प्रभारी व ऑपरेटरों का अनुभव कम रहता है, तो धान खरीदी में और अधिक समस्याएं आ सकती हैं। प्रशासन को यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी किसान को अपनी उपज बेचने में कोई कठिनाई न हो और खरीदी का काम सुचारू रूप से चलता रहे।

'जैन फूड कार्निवाल 2025' का भव्य आयोजन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 15 नवम्बर 2025/ (घटती-घटना)।

प्रामाणिक पाठशाला द्वारा बाल दिवस विशेष 'जैन फूड कार्निवाल 2025' का भव्य आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया,जिसमें बड़ी संख्या में बच्चे,अभिभावकों और समाज के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत मंगलाचरण 'श्री महावीराय नमः' से हुई और वातावरण बच्चों की उमंग, सृजनशीलता तथा जैन सिद्धांतों पर आधारित सात्विक ऊर्जा से सराबोर हो उठा। प्रामाणिक पाठशाला का उद्देश्य बच्चों में केवल पठन-पाठन ही नहीं, बल्कि संस्कार,सात्विकता, अनुशासन,स्वच्छता और चरित्र निर्माण जैसे मूल्यों को विकसित करना है। इसी उद्देश्य के अनुरूप आयोजित इस फूड कार्निवाल में बच्चों ने स्वयं सात्विक जैन व्यंजन बनाकर अपने कौशल,नेतृत्व,टीमवर्क और सृजनशीलता का अद्भुत परिचय दिया। बच्चों द्वारा संचालित स्टॉल उनकी मेहनत,अनुशासन और आत्मविश्वास का जीवंत प्रमाण रहे, जिनकी उपस्थित अतिथियों और दर्शकों ने खुले दिल से सराहना की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय श्रीमती मंजूषा भगत,महापौर,नगर निगम अंबिकापुर उपस्थित रहीं,जिनका स्वागत डॉ. अंजू गोयल ने शाल और श्रीफल से किया। विशिष्ट अतिथि श्री हरमिंदर सिंह टिन्नी, सभापति, नगर निगम अंबिकापुर का स्वागत वरिष्ठ समाजसेवी श्री एस.के. जैन द्वारा किया गया। दोनों अतिथियों ने बच्चों के प्रयासों की सराहना करते हुए कार्यक्रम की भूरी-भूरी प्रशंसा की तथा बच्चों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। फूड कार्निवाल का मूल्यांकन करने हेतु निर्णायक मंडल में डॉ. रितेश वर्मा, प्राचार्य, के.आर. टेक्निकल कॉलेज, सूरजपुर, तथा श्रीमती अर्जिता सिन्हा,आर्ट एंड क्राफ्ट ट्रेनर, अंबिकापुर शामिल रहे,जिन्होंने बच्चों के व्यंजनों का स्वाद,प्रस्तुति और सात्विकता के आधार पर निष्पक्ष समीक्षा की और परिणाम घोषित किए। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार श्रीजल जैन को,द्वितीय पुरस्कार रक्षिता एवं अक्षिता जैन को,तृतीय पुरस्कार स्वजिता एवं रेयांशी जैन को तथा सांत्वना पुरस्कार अर्थ जैन को प्रदान किया गया। कार्यक्रम में जैन समाज के वरिष्ठ सदस्य–डॉ. अंजू गोयल,श्री एस.के. जैन, जैन मैत्री संघ के अध्यक्ष श्री विक्रांत जैन, उपाध्यक्ष श्री महावीर जैन, सचिव श्री राहुल जैन, कोषाध्यक्ष श्री अखिलेश जैन, महामंत्री श्री विकास जैन, विवेक जैन, अतुल जैन, डॉक्टर अभिजीत जैन, अभिषेक जैन, डॉक्टर संजय जैन, डॉक्टर अश्विन जैन उपस्थित रहे। प्रामाणिक पाठशाला की समन्वयक श्रीमती रूबी जैन और डॉ. रीनू जैन, शिक्षिकाएँ श्रीमती रुचि जैन और श्रीमती काकुल जैन, श्वेताम्बर समाज की वरिष्ठ सदस्य श्रीमती ममोल कुचेता, श्रीमती स्वीटी जैन तथा श्रीमती संगीता जैन सहित अभिभावकों और जैन समाज के अनेक सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लेकर बच्चों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम स्थल पर भारी भीड़ उमड़ी और सभी ने बच्चों के द्वारा तैयार सात्विक व्यंजनों की भरपूर प्रशंसा की।

कार्यक्रम के सफल संचालन और गरिमामय सहभागिता हेतु सभी अतिथियों, निर्णायकों, समाज के सदस्यों, अभिभावकों तथा बच्चों को प्रामाणिक पाठशाला परिवार की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया गया। आयोजन बच्चों की प्रतिभा, संस्कार और भविष्य की संभावनाओं का सुंदर उत्सव साबित हुआ।

32 टीमों की मौजूदगी में शुरू हुई राज्य स्तरीय जूनियर नेटबॉल प्रतियोगिता

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 15 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले में आयोजित चौथी छत्तीसगढ़ राज्य जूनियर नेटबॉल चैंपियनशिप का शुभारंभ शुक्रवार को माउंट लिटेरा ज़ी स्कूल में किया गया। दो दिवसीय प्रतियोगिता 15 एवं 16 नवंबर तक आयोजित की जाएगी। इस राज्य स्तरीय आयोजन में कुल 32 टीमों (बालक एवं बालिका वर्ग) ने भाग लिया है। प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे युवा खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। उद्घाटन समारोह में भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया, राजकुमार बंसल, विनोद हर्ष, रामकुमार सिंह, राजेश राठौर उपस्थित रहे। भारत सिंह सिसोदिया में कहां की सरगुजा की धरती ने हमेशा खेल प्रतिभाओं को जन्म दिया है। यहां आए सभी खिलाड़ी खेल भावना से खेलें, यही इस आयोजन की सबसे बड़ी सफलता होगी। पहले दिन का मुकाबला अत्यंत रोमांचक रहा और दर्शकों की उपस्थिति ने खिलाडियों का उत्साह बढ़ाया। कल प्रतियोगिता के दूसरे दिन सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने कहा सरगुजा में यह प्रतियोगिता होना हमारे लिए गर्व की बात है। ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को राज्य स्तरीय मंच पर अवसर मिल रहा है, जिससे भविष्य में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी तैयार होंगे। इस अवसर पर रजत सिंह सचिव नेटबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन सरगुजा,सुनैना जायसवाल, खुशबू गुप्ता,प्रिया जायसवाल,प्रियंका, प्रज्ञा मिश्रा,आकाश गुप्ता, रागिनी, स्नेहा उपस्थित रहे।

CMYK

मानी में रोजाना 50 लाख का जुआ! चार महीने से चल रहा कथित खेल,पुलिस खामोश:सूत्र

'शिकायत करो, कुछ नहीं होगा,मानी में जुआ संचालित करने वालों का दावा? जांच की मांग तेज

- सूरजपुर में अवैध जुए का बड़ा नेटवर्क...नामों की चर्चा,कार्रवाही गायब...
- चार महीनों से जुआ रैकेट सक्रिय? मानी में कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल
- जुए के धंधे पर पुलिस की चुप्पी क्यों? मानी में करोड़ों का कथित खेल उजागर

-शमरोज खान-

सूरजपुर,15 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)। सूरजपुर जिले के मानी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर जुआ संचालित होने की गंभीर शिकायतें सामने आई हैं,सूत्रों का दावा है कि प्रतिदिन लगभग 50 लाख रुपए तक का जुआ खेला जा रहा है,जिसकी सूचना स्थानीय स्तर पर कई लोगों के पास है सूत्रों के मुताबिक,इस कथित जुआ संचालन में कुछ बाहरी और स्थानीय व्यक्तियों की संलिप्तता बताई जा रही है,जिनमें शमशेर,श्रीनगर के राजकुमार और बबलू (बैंढन,मध्य प्रदेश) का नाम लिया जा रहा है,हालांकि इस संबंध में आधिकारिक रूप से किसी भी स्तर पर इसकी पुष्टि नहीं की गई है। सूत्रों का कहना है कि यह कथित जुआ लगभग चार महीने से लगातार चल रहा है, लेकिन अब तक पुलिस द्वारा किसी प्रकार की ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। आरोप यह भी लगाए जा रहे हैं कि जुआ संचालित करने वाले कथित लोगों द्वारा यह कहा जाता है कि'किसी भी शिकायत का कोई असर नहीं होगा,कोई कार्यवाही नहीं होगी।'इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन यदि शिकायतें सही हैं तो यह मामला कानून-व्यवस्था और पुलिस कार्रवाई पर बड़े सवाल खड़े करता है,जांच के दौरान स्थानीय सूत्रों, व्यापारियों और पास के इलाकों के कई लोगों ने बताया कि कथित तौर पर प्रतिदिन 40-50 लाख रुपये तक का जुआ खेला जा रहा है।

साइबर सेल के कर्मचारियों की संलिप्तता की चर्चाएं तेज,लाखों का कारोबार की सुगबुगाहट

सूरजपुर जिले के मानी क्षेत्र में लंबे समय से संचालित अवैध जुआ फड़ को लेकर नए और गंभीर आरोप सामने आए हैं,सूत्रों के अनुसार,यहां लाखों रुपये का जुआ रोज संचालित होने की बात कही जा रही है, और सबसे गंभीर आरोप यह है कि इस पूरे संचालन में साइबर सेल के कुछ कर्मचारियों की 'संलिप्तता या संरक्षण' की चर्चा तेज हो गई है, सूत्रों की बात 'जुआ फड़ का कोडनेम साइबर सेल से जुड़ा' स्थानीय सूत्र बताते हैं कि जुआ स्थल पर 'जारी' के नाम से चल रहा एक शॉर्टकट सिस्टम उपयोग किया जा रहा है, जिसके बारे में कहा जा रहा है कि यह साइबर सेल कर्मचारियों द्वारा तय या सुविधाजनक किया गया कोड बताया जा रहा है ताकि जारी (कोड) की जानकारी पुलिस विभाग के अन्य अधिकारियों तक न पहुंचे और किसी भी बाहरी जांच या कार्रवाई से जुआ संचालक सुरक्षित रहें हालांकि इन आरोपों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है, परंतु क्षेत्र में यह चर्चा लगातार बढ़ती जा रही है।

चार महीने से लगातार चल रहा खेल,लेकिन कार्रवाई शून्य?

सूत्र यह भी बताते हैं कि यह कथित जुआ पिछले 4 महीनों से लगातार चल रहा है,सबसे बड़ा सवाल यह है कि इतने बड़े पैमाने पर अवैध गतिविधि चलने की सूचना के बावजूद अब तक पुलिस द्वारा किसी प्रकार की ठोस कार्रवाई नहीं की गई, स्थानीय लोगों का कहना है कि जुआ संचालित करने वाले कथित लोग खुलेआम दावा करते हैं 'चाहे कहीं शिकायत कर लो, कोई कार्रवाई नहीं होगी।' यह बयान खुद ही कानून-व्यवस्था की स्थिति और पुलिस तंत्र की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़ा करता है।

जगह बदलकर खेला जा रहा जुआ,पकड़ से बचने की तकनीक?

जांच के दौरान सूत्रों से मिली सूचना के अनुसार जुआ कई बार स्थान बदलकर खेला जाता है, जिससे कार्रवाई करना और भी मुश्किल हो जाता है। बताया जाता है कि इस कथित जुआ रैकेट के पास बाहरी राज्यों से आने वाले खिलाड़ी स्थानीय संपर्क सूत्र और निगरानी रखने वाले लोग सक्रिय हैं।

स्थानीय जनता डरी,प्रशासन खामोश?

कई ग्रामीणों ने बताया कि वे इस पूरे मामले की शिकायत करने से भी डरते हैं क्योंकि 'ऊपर तक पहुँच' का दावा किया जाता है, स्थानीय व्यापारियों का यह भी कहना है कि इतने बड़े पैमाने पर जुआ चलना क्षेत्र में अपराध बढ़ने, शराबखोरी और नशे के फैलाव, हिंसक घटनाओं का खतरा बढ़ सकता है।

पुलिस की चुप्पी बड़ी पहेली

जबकि कानून स्पष्ट है कि किसी भी प्रकार के जुए पर तत्काल कार्रवाई अनिवार्य है, लेकिन सूत्रों के अनुसार मानी क्षेत्र में 'सिस्टमेटिक साइलेंस' देखने को मिल रहा है, इस संबंध में आधिकारिक प्रतिक्रिया उपलब्ध नहीं हो सकी है, अगर शिकायतें सही हैं, तो यह पूरा मामला उच्च स्तरीय जांच की मांग करता है।

अगर शिकायत का असर नहीं होता,तो कानून किसके लिए है?

सूरजपुर मानी के जुआ मामले ने पुलिस पर उठाए बड़े सवाल सूरजपुर जिले के मानी क्षेत्र में कथित तौर पर रोजाना 50 लाख का जुआ खेला जाना केवल एक अवैध गतिविधि नहीं है यह सिस्टम के भीतर मौजूद खामियों का आईना भी है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि सूत्र बताते हैं कि जुआ संचालित करने वाले कथित लोग खुलेआम यह दावा करते हैं कि 'किसी भी शिकायत का कोई असर नहीं होगा।' यदि यह सही है, तो यह सिर्फ जुआ का मामला नहीं बल्कि प्रशासनिक जवाबदेही की विफलता का मुद्दा बन जाता है।

कानून केवल किताबों में?

जुए पर प्रतिबंध है,जुए में लिप्त पाए जाने पर कड़ी सजा का प्रावधान है, लेकिन जब धरातल पर कानून लागू नहीं होता, तब कानून का अस्तित्व ही सवालों में घिर जाता है, चार महीने तक खेल चलता कैसे रहा? यदि एक अवैध गतिविधि चार महीनों तक लगातार चलती है और स्थानीय प्रशासन तक इसकी भनक नहीं पहुंचती या पहुँच कर भी कार्रवाई नहीं होती तो इसका मतलब साफ है कि या तो सूचना छुपाई जा रही है या सूचना पर अमल करने में कहीं न कहीं बाधा है।

जरूरत है उच्च स्तरीय जांच की...

यदि आरोप सही हैं,तो यह मामला केवल स्थानीय स्तर का नहीं,बल्कि जिले और संभाग स्तर की तत्काल जांच का विषय बन जाता है, ऐसे मामलों में खुफिया जांच, वित्तीय ट्रैकिंग, और पुलिस की भूमिका तीनों का परीक्षण जरूरी है। मानी की यह घटना हमें याद दिलाती है कि प्रशासनिक तंत्र तभी मजबूत है जब वह कानून को जमीन पर लागू करने की क्षमता रखता हो, न कि सिर्फ फाइलों में।

पुलिस की आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार

अब तक पुलिस विभाग की ओर से इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है क्षेत्रवासियों का कहना है कि तत्काल जांच की आवश्यकता है साइबर सेल कर्मचारियों की भूमिका स्पष्ट की जाए, मानी में चल रहे अवैध जुआ पर कड़ी कार्रवाई की जाए,स्थानीय लोगों की मांग है की जांच टीम बने ग्रामीणों व सामाजिक लोगों ने मांग की है कि एक स्वतंत्र जांच टीम बनाई जाए, साइबर सेल और मानी क्षेत्र से संबंधित पुलिस स्टाफ की भूमिका की जांच हो, लगातार चल रहे जुआ फड़ को पूरी तरह बंद किया जाए।

शौचालय में नवजात का प्रसव जीवन के लिए जूझ रहा बच्चा

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,15 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में शनिवार को एक दिल दहला देने वाली घटना घटी,जब एक गर्भवती महिला के पेट में बच्चा हलचल महसूस नहीं होने पर हड़बड़ी में नर्सों को सूचित किया गया। महिला ने बताया कि कुछ समय पहले वह शौचालय गई थी, जहां उसने देखा कि नवजात का शरीर कंबोड में फंसा हुआ था। इसके बाद अस्पताल में हडक़ंप मच गया और पूरी चिकित्सा टीम ने तत्काल कदम उठाए। सफाई कर्मचारियों ने कंबोड को तोडक़र नवजात को सुरक्षित बाहर निकाला और उसे तुरंत विशेष निगरानी के लिए एसएनसीयू में भर्ती किया गया। यह घटना उस वक्त हुई जब रामपति बाई नाम की 30 वर्षीय महिला,जो प्रतापपुर थाना क्षेत्र की निवासी है, अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती हुई थी। महिला 7 महीने की गर्भवती थी और 13 नवंबर को प्रसव पीड़ा के चलते उसे प्रतापपुर से अंबिकापुर अस्पताल रेफर किया गया था। महिला के पेट में दर्द होने के बाद परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। महिला की स्थिति गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया था, जहां उसका इलाज चल रहा था। शनिवार की सुबह, महिला शौचालय गई, लेकिन कुछ देर बाद उसे एहसास हुआ कि उसके पेट में बच्चा हलचल नहीं कर रहा है। घबराकर उसने नर्सों को इसकी सूचना दी, और जब नर्सों ने जांच की, तो पता चला कि प्रसव हो चुका है। इस दौरान नर्सों ने महिला से पूछा कि वह कहां गई थी, तो महिला ने बताया कि वह कुछ देर पहले शौचालय गई थी। नर्स और परिजन शौचालय के कंबोड में पहुंचे, जहां नवजात को देखा गया। नर्सों ने तुरंत सफाई कर्मचारी सुपरवाइजर आशिष से

संपर्क किया, जिन्होंने कर्मचारियों को बुलाकर कंबोड को तोड़वाया। नवजात को बाहर निकाला गया, लेकिन उसकी स्थिति गंभीर थी। नवजात का शरीर नीला पड़ा हुआ था और दिल की धडक़न बेहद धीमी थी। नवजात को एसएनसीयू में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. जेके रेलवानी के निगरानी में रखा गया। डॉक्टर ने बताया कि नवजात की हालत गंभीर थी,लेकिन उसकी स्थिति में मामूली सुधार देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि नवजात को बचाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं और उसे विशेष देखभाल दी जा रही है। इस घटना ने अस्पताल प्रशासन और चिकित्सा कर्मचारियों को चौकस कर दिया है, क्योंकि इस प्रकार की घटनाएं गंभीर स्वास्थ्य संकटों को जन्म देती हैं। इस मामले में तत्काल कार्रवाई ने नवजात की जान बचाई, लेकिन सवाल यह भी उठता है कि अस्पतालों में ऐसी स्थितियों से निपटने के लिए बेहतर प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था की आवश्यकता है।

अतिक्रमण पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई : 37 डिसमिल शासकीय जमीन मुक्त,बुलडोजर कार्रवाई से मचा हड़कंप

-संवाददाता-

सूरजपुर,15 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)। भैयाथान ब्लॉक में लंबे समय से शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की...ग्राम परसिया मे छोटे झाड़ के जंगल मद की भूमि से और केवरा मे सड़क मद की भुमि से कुल लगभग 37 डिसमिल सरकारी ज़मीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया...कार्रवाई के दौरान नायब तहसीलदार प्रियंका टोप्पो और झिलमिली थाना प्रभारी नसीमुद्दीन सुरक्षा के मद्देनजर अपनी टीम के साथ मौके पर मौजूद रहे।

कब्ज़ा हटाने दिया गया पर्याप्त समय उसके बाद भी नहीं हटाया गया कब्जा हुई कार्रवाई : दरअसल सड़क मद की शासकीय भूमि पर बने अवैध निर्माण को हटाने के लिए लगभग एक महीने पहले अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किया गया था.. इसके बाद पिछले दिनों अंतिम चेतावनी वाला नोटिस भी दिया गया, लेकिन इसके बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया गया...निर्धारित समय सीमा बीतने के बाद प्रशासन को सखूत कदम उठाते हुए मौके पर कार्रवाई करनी पड़ी...जैसे ही प्रशासनिक टीम बुलडोजर मशीन के साथ ग्राम परसिया और केवरा पहुंची, इलाके में अफरा-तफरी मच गई...अवैध कब्जे वाले परिवार अपने सामान को सुरक्षित निकालने के लिए दौड़ते नजर आए...अधिकारियों की मौजूदगी में राजस्व एवं पुलिस टीम ने करीब 37 डिसमिल भूमि पर बने कच्चे मकान, खलिहान और बांस की बाउंड्री वॉल को ध्वस्त कर दिया.. .तहसील भैयाथान अंतर्गत ग्राम परसिया में करीब 35 डिसमिल और ग्राम केवरा में लगभग 2 डिसमिल शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर कच्चे निर्माण और बांस की घेराबंदी कर ली गई थी...राजस्व विभाग भैयाथान ने पुलिस बल की मौजूदगी में इन संरचनाओं को हटाते हुए जमीन को पूर्णतः कब्जा मुक्त कराया...अधिकारियों ने कहा कि शासकीय भूमि पर अतिक्रमण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा...भविष्य में भी इस तरह के मामलों पर सखूत कार्रवाई जारी रहेगी...प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा न करें और किसी भी तरह के निर्माण से पहले विधिक प्रक्रिया का पालन करें।

राष्ट्रपति मुर्मू के प्रस्तावित अम्बिकापुर प्रवास की तैयारियों पर वित्त एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर देखीं व्यवस्था

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,15 नवम्बर 2025(घटती-घटना)। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का 20 नवंबर 2025 को सरगुजा जिला आगमन कार्यक्रम प्रस्तावित है।राष्ट्रपति के प्रवास की तैयारियों के सम्बंध में शनिवार को छत्तीसगढ़ शासन के वित्त, वाणिज्य, आवास एवं पर्यावरण, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री ओ. पी. चौधरी ने संभागस्तरीय समीक्षा बैठक ली। बैठक में सरगुजा संभाग के समस्त जिलों के कलेक्टर, एसपी सहित सम्बंधित अधिकारी वर्चुअल रूप से जुड़े। इस दौरान लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज,

सीतापुर विधायक श्री रामकुमार टोप्पो, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह, महापौर श्रीमती मंजूषा भगत,सरगुजा संभागायुक्त श्री नरेन्द्र दुग्गा, पुलिस महानिरीक्षक श्री दीपक झा,कलेक्टर श्री विलास भोसकर, पुलिस अधीक्षक श्री राजेश अग्रवाल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि,सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में मंत्री श्री चौधरी ने जिलेवार चर्चा करते हुए स्टॉल निर्माण, आवागमन, पार्किंग सहित अन्य तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल सहित हेलीपैड एवं आवागमन मार्ग में भी सुरक्षा के कड़े इंतेजाम हों। स्वास्थ्य विभाग की टीम कार्यक्रम स्थल पर मौजूद रहे।

समिति प्रबंधकों व ऑपरेटरों के हडताल के कारण पूरे जिले में धान खरीदी की व्यवस्था प्रभावित : टीएस सिंहदेव

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,15 नवम्बर 2025(घटती-घटना)। धान खरीदी सत्र 2025-26 की शुरुआत के दिन आज व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिये पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव मेंन्ड्रा स्थित कृषि मंडी का दौरा किया साथ ही अन्य धान खरीदी केन्द्रों से प्राप्त सूचना के आधार पर कहा है कि समितियों में धान खरीदी की व्यवस्था शून्य है। धान खरीदी को लेकर राज्य सरकार के द्वारा लाये गये नये नियमों के विरोध के साथ वेतन भत्तों में बढोत्तरी की मांग को लेकर समिति प्रबंधकों और डाटा एंट्री ऑपरेटरों के हडताल के कारण पूरे जिले में धान खरीदी की व्यवस्था प्रभावित है। पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री टी0एस0 सिंहदेव ने कहा कि आज धान खरीदी सत्र के शुभारंभ में सरगुजा कलेक्टर को खडे होकर धान खरीदी

करवाना पडा है,यह धान खरीदी को लेकर प्रदेश की सरकार की सक्षमता पर गंभीर सवाल खडे कर रहा है। उन्होंने कहा कि धान की मात्रा में कमी पर समिति प्रबंधकों पर एफ0आई0आर0 का प्रावधान किया गया है, जबकि ऐसी स्थिति के लिये भंडारण केन्द्रों के लिये सुखती का प्रावधान किया गया है। यह दोहरी निति समिति प्रबंधकों एवं आपरेटरों की हडताल का प्रमुख कारण बनी है। इस दोहरी निति के कारण ही प्रशासन ने जिन नये लोगों को खरीदी के काम से जोडा उन्होंने भी अपने हाथ खडे कर दिये।ऐसे में सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को धान खरीदी में लगाया गया है जिससे अन्य शासकीय कार्य भी प्रभावित होंगे। उन्होंने कहा कि पुरानी व्यवस्था में खरीदी केन्द्रो से 72 घंटे के अंदर धान को मिलिंग करने वाले राईस मिलों को भेज दिया जाता था। लेकिन राज्य सरकार ने इस व्यवस्था को समाप्त कर खरीदी केन्द्र से पहले मार्कफेड के भंडारण केन्द्रों में और फिर वहां से राईस मिलों को धान भेजने की नई व्यवस्था बनाई है। इस कारण धान मिलिंग की लागत में वृद्धी होगी, जिसका भार प्रदेश के नागरिकों के द्वारा अदा किये गये कर से बने राजकोष पर पडेगा। उन्होंने कहा कि आमतौर पर शनिवार और रविवार को धान खरीदी नहीं होती लेकिन औपचारिकता निभाने के लिये आज शनिवार को महज 8 क्विंटल धान की खरीदी की गई है तो धान खरीदी सत्र में आगे भी शनिवार को धान खरीदी का सिलसिला जारी रखना चाहिये। उन्होंने कहा कि मेंड्रा स्थिति धान खरीदी केन्द्र सहित अन्य खरीदी केन्द्रों से प्राप्त सूचना के अनुसार हडताल के कारण अभी तक बरदानो की एंट्री ऑनलाईन रिकार्ड में नहीं हो पायी है। ऐसी स्थिति में पोर्टल के माध्यम से समुचित टोकन जारी कर पाने का काम भी प्रभावित हुआ है। इस कारण धान खरीदी की व्यवस्था प्रभावित होने की पूरी संभावना है। धान खरीदी के लिये इस सत्र में लागू की गयी एग्री स्टेट पंजियन में शत-प्रतिशत किसानो का पंजियन नहीं हो पाने पर उन्होंने चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि धान खरीदी केन्द्रों में नमी जांचने वाली मीटर का अभी तक प्रमाणिकरण नहीं हुआ है।

घटती-घटना की खबर का असर:जिला प्रशासन ने लिया संज्ञान

घटती घटना की खबर पर अब प्रशासन की

पहली बार पहुंचा प्रशासनिक अमला,वनांचल ग्राम रेवला की समस्याएं अब होगी दूर

-राजन पाण्डेय -

कोरिया,15 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

दैनिक घटती-घटना द्वारा रेवला ग्राम की समस्याओं को प्रमुखता से प्रकाशित किए जाने के बाद जिला प्रशासन हरकत में आया है। कलेक्टर कोरिया के निर्देश पर प्रशासनिक अमला पहली बार वनांचल ग्राम रेवला पहुंचा और ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। इससे ग्रामवासियों में वर्षों बाद आशा की किरण जगी है।

कोरिया जन सहयोग समिति ने उठाई थी आवाज

10 दिन पहले घटती-घटना की टीम जब रेवला पहुंची थी,तब कोरिया जन सहयोग समिति के अध्यक्ष पुष्पेंद्र राजवाड़े,सदस्य बालकरन और मोहन प्रसाद भी वहां पहुंचे थे। पुष्पेंद्र राजवाड़े ने कहा रेवला की भौगोलिक स्थिति बेहद विषम है, यहां स्कूल खोलने की आवश्यकता अत्यंत जरूरी, सड़क मरम्मत और मोबाइल नेटवर्क बहाली की मांग की जाएगी,सड़कों का मुरमीकरण,सोलर लाइट व्यवस्था और पेयजल समाधान जरूरी,इतने से भी ग्रामीणों को बड़ी राहत मिल सकती है उन्होंने कहा कि रेवला का विकास संभव है, बस शासनङ्कप्रशासन की थोड़ी सी संवेदनशीलता की जरूरत है।

पहली बार पहुंचा प्रशासनिक दल

रेवला गांव में आज तक किसी भी विभाग का उच्च स्तरीय अमला नहीं पहुंचा था। लेकिन इस बार एसडीएम सोनहत अंशुल वर्मा, पीएचई विभाग के कार्यपालन अभियंता, क्रेडा अधिकारी, बीएमओ सोनहत सहित अन्य विभागों के अधिकारी व कर्मचारी रेवला पहुंचे, पेयजल व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश, खराब सोलर होम लाइट की जगह नई स्थापित करने क्रेडा को आदेश, ग्रामीणों की अन्य समस्याओं की विस्तृत जानकारी ली गई, एसडीएम ने कहा कि रेवला की समस्याओं के हर संभव निराकरण का प्रयास किया जाएगा।

दूरस्थ और दुर्गम ग्राम रेवला की वास्तविक तस्वीर

रेवला ग्राम में 50 से अधिक पंडो एवं चेरवा जनजाति के परिवार निवास करते हैं, लेकिन आज तक यहां विकास की रोशनी नहीं पहुंच सकी है, रेवला की प्रमुख समस्याएं,बिजली नहीं,सड़क नहीं, शुद्ध पेयजल नहीं,स्कूल नहीं,स्वास्थ्य सुविधा नहीं,किसी भी विभाग के नियमित दौरे नहीं रेवला पहुंचने के लिए आज भी पगडंडियों और खतरनाक चढ़ाइयों से गुजरना पड़ता है। चार पहिया वाहन तो दूर,मोटरसाइकिल ले जाना भी कठिन है।

स्वास्थ्य सुविधा बेहद खराब,मरीजों को खाट पर उठाकर ले जाते ग्रामीण

एम्बुलेंस गांव तक नहीं पहुंचती। ग्रामीणों ने बताया कि बीमारी हो या प्रसव,मरीज को खाट पर कंधे के सहारे पहाड़ी रास्तों से मुख्य सड़क तक ले जाना पड़ता है,उसके बाद ही अस्पताल पहुंचना संभव होता है,हालांकि चिरायु टीम और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कभी-कभार आते हैं, लेकिन स्वास्थ्य विभाग की नियमित उपस्थिति नहीं रहती।

खेती करते हैं लेकिन बेच नहीं पाते,केसीसी नहीं,पंजीयन नहीं...

ग्रामीण कृषि और पशुपालन पर निर्भर हैं। धान तो उगाते हैं, पर सड़क खराब होने से समिति तक ले नहीं जा पाते,न किसान पंजीयन है,न केसीसी,न खाद-बीज उपलब्ध पटवारी भी साल में सिर्फ एक बार आता है। इससे सरकारी योजनाओं का लाभ ग्रामीणों तक पहुंच ही नहीं पाता।

15 बच्चों वाला गांव पर एक भी स्कूल नहीं

ग्रामीणों ने बताया कि गांव में लगभग 15 स्कूली बच्चे हैं, फिर भी आज तक कोई प्राथमिक शाला नहीं खोली गई, सबसे नजदीकी स्कूल 20 किलोमीटर दूर मेण्ड्रा में है, जबकि पंचायत मुख्यालय 35 किलोमीटर दूर कछाड़ी है, माता-पिता बताते हैं कि बच्चों से मिलने या सामान पहुंचाने में भारी मशक्कत होती है, कई बार बच्चे महीनों बाद ही परिवार से मिल पाते हैं।

प्रशासन के दौरे से जगी उम्मीद

ग्रामीणों का कहना है कि आज पहली बार प्रशासन उनके द्वार तक आया है, इससे उन्हें उम्मीद है कि अब सड़क,पानी,बिजली और शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं पर ध्यान दिया जाएगा,एसडीएम के लगातार ग्रामीण दौरों के चलते भी सकारात्मक बदलाव की उम्मीद जताई जा रही है।

जगदलपुर जनजातीय कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

भाजपा युवा नेता राहुल खस ने बैकुंठपुर कोरिया व एमसीबी जिले के लिए 6 इलेक्ट्रिक बस व सड़क चौड़ीकरण की रखी मांग...

-संवाददाता-

कोरिया, 15 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

जगदलपुर में आयोजित जनजातीय कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से भाजपा युवा नेता राहुल खस ने मुलाकात कर कोरिया जिले व मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुरजिले के विकास से जुड़े प्रमुख मुद्दे उठाए,राहुल खस ने किरण दादा के संरक्षण और सोनू दादा के नेतृत्व में दोनों जिलों के लिए 6 इलेक्ट्रिक बसों की स्वीकृति तथा बैकुंठपुर की वर्षों पुरानी सड़क चौड़ीकरण की मांग मुख्यमंत्री के समक्ष रखी।

जिस पर मुख्यमंत्री का आश्वासन,दोनों मांगे शीघ्र पूरी की जाएँगी

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राहुल खस को आश्वस्त किया कि वह जल्द ही रायपुर पहुंचकर इन दोनों महत्वपूर्ण मांगों को पूरा कराएंगे, मुख्यमंत्री के इस सकारात्मक रुख से जिलेवासियों में उत्साह देखा गया, इलेक्ट्रिक बसें–कोरिया व एमसीबी जिले के लिए होगा मील का पत्थर राहुल खस ने बताया कि भरतपुर-रामगढ़ पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण निजी बसों का किराया अत्यधिक रहता है, इलेक्ट्रिक बसें चलने से एससी/एसटी व ग्रामीण यात्रियों को कम खर्च में आरामदायक परिवहन सुविधा मिलेगी, बैकुंठपुर से भरतपुर-रामगढ़ का सीधा कनेक्शन मजबूत होगा,इससे व्यवसाय,आवाजाही और क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगी,उन्होंने कहा कि 6 इलेक्ट्रिक बसों की स्वीकृति कोरिया और एमसीबी जिलों के लिए विकास का नया अध्याय सिद्ध होगी।

सड़क चौड़ीकरण की लंबित मांग भी उठाई...

बैकुंठपुर में वर्षों से लंबित सड़क चौड़ीकरण की मांग को भी राहुल खस ने मुख्यमंत्री के समक्ष रखा,उन्होंने अनुरोध किया कि इस सड़क के लिए बजट राशि शीघ्र स्वीकृत हो,और कार्य को निरंतरता के साथ जल्द पूर्ण कराया जाए,मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कोरिया जिले की जनता को आश्वासन दिया कि सड़क चौड़ीकरण का कार्य प्राथमिकता पर पूरा किया जाएगा।

मुख्यमंत्री का अभिनंदन और आशीर्वाद

राहुल खस ने जिले वासियों की ओर से मुख्यमंत्री का हार्दिक स्वागत किया और आशीर्वाद लिया,उन्होंने कहा कि वे बचपन से ही बैकुंठपुर के विकास को लेकर संवेदनशील रहे हैं और राज्य से लेकर केंद्र तक कई स्तरों पर लगातार प्रयास करते रहते हैं, राहुल खस ने यह भी कहा कि वे न केवल कोरिया,बल्कि अन्य जिलों के मुद्दों को भी मुखरता से उठाते रहते हैं ताकि क्षेत्रीय विकास में कोई रुकावट न आए।

खड़गवां जिला एम.सी.बी.मे स्वामी आत्मानंद विद्यालय में आनन्द मेले का आयोजन किया गया

-संवाददाता-

खड़गवां,15 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

इस कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के तौर पर सरपंच खड़गवा एवं समस्त ग्राम वासियो एवं विद्यालय के प्राचार्य एवं समस्त स्टाफ के द्वारा कार्यक्रम का सफल आयोजन के साथ सभी ग्राम वासियो के द्वारा लोगो मे उत्साह वर्जन देखने को मिला और ये कार्यक्रम प्रत्येक साल संस्था में किए जाने की बात ग्रामीणों के द्वारा कही गई छात्र छात्रों ने अपने जीवन मे कौशल व व्यवसायिक दृष्टिकोण से जीवन मे महत्वपूर्ण योगदान होने कि सलाह दी गई इस आनंद मेला मे कुल 24 स्टाल लगये गए थे कई प्रकार के पारम्परिक छत्तीसगढी व्यंजन बनाया गया था जिसका लोगो ने भरपूर आनंद लिया एवं बच्चो के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

स्वामी आत्मानन्द विद्यालय खड़गवां में बाल दिवस के अवसर पर आनंद मेला का आयोजन किया गया जिसमें खडगवां ब्लाक के सभी ग्राम वाशियों व आम नागरिक जनता विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी व प्राचार्य श्रीमती मटिल्डा टोप्पो व समस्त स्टाफ के द्वारा इस तरह के कार्यक्रम हर वर्ष होनी चाहिए इससे बच्चो का सर्वांगिण विकास होता है।

ग्राम केराकछार में हाथियों के दल ने उत्पात मचाते हुए रौंदा फसल

-संवाददाता-

कोरबा,15 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

कोरबा तथा कटघोरा वनमंडल में हाथियों द्वारा फसल रौंदे जाने का सिलसिला लगातार जारी है। जिले के कटघोरा वनमंडल के ग्राम पचरा के जंगल में 53 की संख्या में हाथी विचरण कर रहे हैं, वहीं कोरबा वनमंडल के करतला व कोरबा रेंज अंतर्गत 50 हाथी ग्राम बांधापाली,सेंद्रीपाली तथा केराकछार में उत्पात मचा रहे हैं। जानकारी के अनुसार कटघोरा वनमंडल के पचरा क्षेत्र में विचरणरत हाथियों ने खेतों में पहुंचकर उत्पात मचाया और 12 से अधिक ग्रामीणों की धान फसल को तहस-नहस कर दिया। जबकि कोरबा रेंज के ग्राम केराकछार में अचानक आ धमके 12 हाथियों के दल ने भी उत्पात मचाते हुए लगभग डेढ़ दर्जन ग्रामीणों क धान फसल को रौंद दिया। पीड़ित ग्रामीणों द्वारा सूचना दिए जाने पर वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचकर हुए नुकसान के आंकलन में जुट गए हैं। वहीं बड़ी संख्या में जिले में हाथियों के सक्रिय रहने से ग्रामीण दहसत मे हैं।

बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती पर टेंगनी में जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया

-संवाददाता-

पटना/टेंगनी,15 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

धरती आबा बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टेंगनी में आज जनजातीय गौरव दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में आंचलिक नृत्य, गीत-संगीत, कर्मा नृत्य और सामुदायिक सहभागिता ने आयोजन को खास बना दिया।

धरती आबा बिरसा मुंडा के योगदान को किया याद

कार्यक्रम के दौरान विद्यालयीन वक्ताओं ने छात्रों को बिरसा मुंडा के जीवन संघर्ष और योगदान से परिचित कराया, बताया गया कि उनका जन्म 15 नवम्बर 1875 को झारखंड के उलिहातु गाँव में हुआ, उन्होंने अल्पायु में ईसाई धर्म स्वीकार किया था परंतु आदिवासी संस्कृति पर हो रहे हमलों के कारण पुनः अपनी संस्कृति में लौट आए, ब्रिटिश शासन के अन्याय के खिलाफ खड़े होकर उन्होंने उलगुलान (महाआंदोलन) का नेतृत्व किया, वे आदिवासी भूमि अधिकारों की रक्षा और सामाजिक-धार्मिक सुधारों के प्रणेता रहे, 25 वर्ष की अल्पायु में 9 जून 1900 को उनका निधन हुआ,परंतु उनका संघर्ष आज भी प्रेरणा देता है,वक्ताओं ने कहा कि बिरसा मुंडा को जनजातीय समाज धरती आबा यानी धरती का पिता के रूप में पूजता है।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से उत्साहपूर्ण माहौल

कार्यक्रम की शुरुआत बिरसा मुंडा की तस्वीर पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुई, इसके बाद विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा पारंपरिक नृत्य, गीत, समूह गान और कर्मा नृत्य की शानदार प्रस्तुतियाँ दी गईं,कार्यक्रम में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय,माध्यमिक विद्यालय और प्राथमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने संयुक्त रूप से भाग लिया,विद्यालय के प्राचार्य,सभी शिक्षक-शिक्षिकाएँ,पालकगण तथा ग्रामवासी भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

15 नवंबर को मनाया जाता है जनजातीय गौरव दिवस

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को यह भी बताया गया कि भारत सरकार ने वर्ष 2021 में बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस घोषित किया, इस दिवस का उद्देश्य स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय नेताओं के योगदान को सम्मान देना है, इसी परिप्रेक्ष्य में विद्यालय में यह विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

समापन एवं धन्यवाद ज्ञापन

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार और ग्रामवासियों ने धरती आबा के प्रति नमन करते हुए जनजातीय समाज की संस्कृति, इतिहास और परंपरा के संरक्षण का संकल्प दोहराया,धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का गरिमामय समापन हुआ।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा.प्र.क्र.202511021700056/ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका नसरीन अंसारी पति नेहाल अंसारी निवासी हाउस नंबर 13, सनसाईन स्टूडियो के पीछे सदर रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा अपने स्वामित्व की ग्राम कांतिप्रकाशपुर स्थित व्यपवर्तित भूमि खसरा नंबर 123/28 रकबा 0.140 हे0 भूमि अनावेदक नेहाल अंसारी आ0 उस्मान अंसारी, निवासी हाउस नंबर 13, सनसाईन स्टूडियो के पीछे सदर रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 को दान करने कि अनुमति हेतू आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 10/12/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 14/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2

CMYK

कोरिया एमसीबी दो भव्य आयोजनः यूनिटी मार्च और जनजातीय गौरव दिवस ने पूरे प्रदेश को एकता और संस्कृति से सराबोर किया

एक तरफ सरदार पटेल पर 10 किमी यूनिटी मार्च, दूसरी ओर भगवान बिरसा मुंडा के सम्मान में जनजातीय महोत्सव,प्रदेश में राष्ट्रीय उत्साह चरम पर...

एमसीबी में गूंजे 'वंदे मातरम',कोरिया में उतरी जनजातीय संस्कृति,एक ही दिन दो ऐतिहासिक आयोजन

सरदार पटेल और बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर प्रदेश ने मनाई एकता,संस्कृति और गौरव की अनूठी जुगलबंदी

जनजातीय संस्कृति को समर्पित कार्यक्रम-

जिलेभर में लोक कला महोत्सव, नृत्य प्रतियोगिता, जन जागरूकता यात्रा, सम्मान समारोह, विशेष शिविर, देवगुड़ी पूजा, स्टॉल प्रदर्शनी, जैसे अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए, मंत्री ने पीएम जनमन अभियान, धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान, और नवा रायपुर में निर्मित जनजातीय क्रांतिकारियों के संग्रहालय को जनजातीय समाज के लिए मील का पत्थर बताया।

कोरिया के कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और प्रशासन की व्यापक उपस्थिति

कार्यक्रम में भरतपुरङ्क्षसोनहत विधायक रेणुका सिंह, कलेक्टर चंदन त्रिपाठी, वरिष्ठ नागरिक प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी सहित बड़ी संख्या में

-रवि सिंह-
कोरिया/एमसीबी,15 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

प्रदेश के कोरिया एमसीबी जिलों में दो महत्वपूर्ण राष्ट्रीय आयोजन हुए,एमसीबी जिले में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर खोंगापानी से आमा खेरवा तक 10 किमी लंबा भव्य यूनिटी मार्च निकाला गया, जिसमें हजारों नागरिक शामिल हुए। मार्च का नेतृत्व राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने किया, लेदरी में दोनों अतिथियों ने स्वयं झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया, जबकि खेड़िया तिराहा में दीनदयाल उपाध्याय जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया, वही इसी दिन कोरिया जिले में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया, मुख्य अतिथि पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने धरती आबा के योगदान को याद करते हुए कहा कि बिरसा मुंडा का संघर्ष आज भी जनजातीय समाज की प्रेरणा है। कार्यक्रम में नृत्य प्रतियोगिता, लोक कला प्रदर्शन, देवगुड़ी पूजा और हितग्राही वितरण जैसे कई आयोजन हुए, इन दोनों जिलों के आयोजनों ने पूरे प्रदेश में एकता, संस्कृति और राष्ट्र गौरव का असाधारण संदेश दिया।

एमसीबी के कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और प्रशासन की व्यापक उपस्थिति

समारोह के अंत में उपस्थित सभी नागरिकों, विद्यार्थियों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने देश की एकता और अखंडता बनाए रखने की शपथ दोहराई। मुख्य अतिथियों एवं विशिष्ट जनप्रतिनिधियों को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया, अंत में आभार प्रदर्शन के साथ कार्यक्रम का विधिवत एवं गरिमामय समापन हुआ। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष चम्पा देवी पावले, पूर्व जिला अध्यक्ष अनिल केसरवानी,लखन लाल श्रीवास्तव,नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा यादव, नगर पंचायत अध्यक्ष श्री वीरेंद्र सिंह राणा, जिला उपाध्यक्ष श्री आशीष सिंह, संजय राय,सरोज यादव, जमुना पांडे, जिला महामंत्री द्वारिका यादव, सोनमती उर्रे, रामचरित द्विवेदी, रोहित वर्मा,शिवकुमार चौधरी,विनोद जायसवाल जिला क्रीड़ा अधिकारी,सहित समस्त अधिकारी, कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

खोंगापानी से आमा खेरवा तक 10 किमी लंबा यूनिटी मार्च, हजारों नागरिकों की सहभागिता

सुबह सामुदायिक भवन खोंगापानी से भव्य यूनिटी मार्च की शुरुआत राष्ट्रीय एकता की शपथ और वंदे मातरम् के सामूहिक गान के साथ हुई, मार्च में राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, भाजपा जिला अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि, स्कूली छात्र-छात्राएँ, सामाजिक संगठन और हजारों नागरिक शामिल हुए।

लेदरी में सांसद और मंत्री ने खुद उठाया झाडू

लेदरी पहुँचते ही सांसद एवं मंत्री ने खुद झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया,जिसने नागरिकों को प्रेरित किया और लोग स्वयं भी सफाई अभियान में जुड़ते चले गए।

खेड़िया तिराहा में उपाध्याय जी की प्रतिमा को नमन

यहाँ पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत नशा-मुक्ति का नाटक आकर्षण का केंद्र रहा।

मनेंद्रगढ़ नगर में उमड़ा जनसैलाब

मार्च जब मनेंद्रगढ़ पहुँचा, तो दोनों ओर नागरिकों ने तिरंगा और जयघोष के साथ स्वागत किया, 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के गगनभेदी नारों से शहर गूंज उठा।

आमा खेरवा ग्राउंड में मुख्य आयोजन

मुख्य कार्यक्रम में सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह ने सरदार पटेल के योगदान को याद करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पटेल को पुनः राष्ट्रीय चेतना में स्थापित किया है, उन्होंने बताया कि 565 रियासतों का भारत में विलय पटेल की कूटनीति और दृढ़ नेतृत्व का परिणाम था, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि सरदार पटेल ने आधुनिक भारत की नींव रखी और युवाओं से राष्ट्र की एकता और अखंडता की रक्षा का संकल्प लेने का आह्वान किया।

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस, संस्कृति, श्रद्धा और इतिहास का संगम

इसके समानांतर जिले में जनजातीय गौरव दिवस भी बड़े उत्साह के साथ मनाया गया, शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उद्बोधन से हुई,जिसमें उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष और बलिदान को नई पीढ़ी तक पहुँचाने की आवश्यकता पर बल दिया।

मुख्य अतिथि मंत्री राजेश अग्रवाल का संबोधन

पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा को जनजातीय समाज 'धरती आबा' यानी 'धरती का पिता' कहता है, उन्होंने कहा कि 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस घोषित करना प्रधानमंत्री मोदी का ऐतिहासिक निर्णय है।

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर विश्राम गृह बैकुंठपुर में प्रेस वार्ता संपन्न

-संवाददाता-
बैकुंठपुर,15 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी जिला कोरिया द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर स्थानीय विश्राम गृह बैकुंठपुर में प्रेस वार्ता आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विधायक भूलन सिंह मरावी, भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी, पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल, जिला पंचायत सदस्य मोहित पैकरा, पूर्व जिला उपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे, जिला महामंत्री पंकज गुप्ता, जिला मंत्री शारदा गुप्ता, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष प्यारे साहू, अनुसूचित जनजाति मोर्चा जिलाध्यक्ष रामप्रताप मरावी, जिला मीडिया प्रभारी तीरथ राजवाड़े तथा सोशल मीडिया सह संयोजक राकेश गुप्ता उपस्थित रहे।

विधायक मराबी ने भगवान बिरसा मुंडा के त्याग और संघर्ष को किया स्मरण

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि यह वर्ष भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती का पावन अवसर है। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश शोषण,जंगल-जमीन पर खतरे और जनजातीय अस्मिता की रक्षा के लिए अंग्रेजों के विरुद्ध उलगुलान आंदोलन का नेतृत्व करने वाले बिरसा मुंडा को 'धरती आबा' के नाम से जाना जाता है। उन्होंने बताया कि भगवान बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को रांची जनपद के अलिहातू ग्राम में हुआ था। अंग्रेजों के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह के चलते उन्हें गिरफ्तार किया गया और 9 जून 1900 को जेल में ही उनका बलिदान हो गया। उनके योगदान को चिरस्थायी बनाने और युवा पीढ़ी को प्रेरणा देने हेतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस घोषित किया है।

जनजातीय समाज के योगदान और सरकार की पहल पर चर्चा

विधायक मराबी ने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस केवल भगवान बिरसा मुंडा ही नहीं, बल्कि उन सभी महापुरुषों को समर्पित है जिन्होंने भारतीय संस्कृति और स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने जनजाति समाज के उत्थान के लिए स्वतंत्र जनजाति मंत्रालय,जनजाति आयोग, वनोपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य,तथा स्टैंडअप इंडिया जैसी योजनाओं के माध्यम से बड़े पैमाने पर कार्य किया है। उन्होंने सिकल सेल रोग के उन्मूलन के लिए चल रही पहल, जनजातीय नेतृत्व को संवैधानिक पदों पर बढ़ावा देने तथा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में नक्सलवाद मुक्त भारत की दिशा में हो रहे प्रयासों का भी उल्लेख किया।

जनजातीय गौरव दिवस संकल्प का दिवस

विधायक मराबी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस मनाने का अर्थ है, जनजाति समाज के योगदान को स्मरण करना, उनके विकास के लिए संकल्प लेना और नक्सलवाद मुक्त भारत के सपने को साकार करना। उन्होंने कहा कि जनजातीय संस्कृति हमारी सांस्कृतिक धरोहर है और सभी महापुरुष पूरे देश के लिए समान रूप से सम्मानित हैं। समाज को विभाजनकारी षड्यंत्रों से मुक्त करते हुए एकता और विकास के मार्ग पर आगे बढ़ना ही भगवान बिरसा मुंडा के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

कलेक्टर कोरिया ने सोनहत में बच्चों को दिया प्रेरक संदेश

जनजातीय गौरव वर्ष पखवाड़ा के तहत बच्चों ने बनाई विशाल मानव श्रृंखला

-संवाददाता-
सोनहत,15 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

जनजातीय गौरव वर्ष पखवाड़ा के अंतर्गत 1 से 15 नवंबर 2025 तक चल रहे राष्ट्रीय कार्यक्रमों की श्रृंखला में सोनहत में विद्यार्थियों ने विशाल मानव श्रृंखला बनाकर जनजातीय गौरव का संदेश दिया। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा टीआरआई,एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय तथा अन्य सहयोगी संस्थानों के माध्यम से पूरे देश में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में सोनहत के एकलव्य विद्यालय, हायर सेकेंडरी स्कूल सोनहत तथा कन्या हाई स्कूल के छात्र-छात्राओं ने मिलकर एक व्यापक मानव श्रृंखला का निर्माण किया।

कलेक्टर कोरिया ने बच्चों को दिया संदेश

इस अवसर पर कलेक्टर कोरिया भी कार्यक्रम में शामिल हुईं। उन्होंने विद्यार्थियों को जनजातीय गौरव पखवाड़े के उद्देश्य से अवगत कराया। उन्होंने कहा...धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती हम सभी के लिए गर्व और प्रेरणा का अवसर है। उन्होंने अपने संघर्ष, साहस और त्याग से जनजातीय समाज को स्वाभिमान,अधिकार और स्वतंत्रता का संदेश दिया। यह पखवाड़ा हमारी सांस्कृतिक धरोहर के उत्सव के साथ-साथ आदिवासी समाज के उत्थान और सशक्तिकरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कलेक्टर ने छात्रों को सरकार और मुख्यमंत्री द्वारा जनजातीय गौरव वर्ष से जुड़े संदेशों से भी अवगत कराया और कहा कि सभी को इस आयोजन में उत्साहपूर्वक भाग लेकर आदिवासी संस्कृति, परंपरा और मूल्यों को आगे बढ़ाने में सहयोग देना चाहिए।

धरती आबा की 150वीं जयंती को समर्पित आयोजन

यह आयोजन धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे जनजातीय गौरव वर्ष का हिस्सा है। कार्यक्रम का उद्देश्य जनजातीय समुदायों में जागरूकता बढ़ाना, सांस्कृतिक गौरव को प्रोत्साहित करना और समावेशिता की भावना को मजबूत करना है।

शिक्षा विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका

कार्यक्रम की सफलता में विकासखंड शिक्षा अधिकारी अरविंद सिंह एवं शिक्षा विभाग के सभी कर्मचारियों की सराहनीय भूमिका रही। उनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने अनुशासित और संगठित तरीके से मानव श्रृंखला का प्रदर्शन किया।

धर्मेंद्र ने शत्रुघ्न सिन्हा को महिलाओं से जुड़ी दी थी ये सलाह

सुनकर सुन्न पड़ गए थे दामाद जहीर के कान

"हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र बड़े पर्दे पर भले ही ही-मैन बनकर छाए हों, लेकिन असल जिंदगी में वह काफी स्वीट शायराना और रोमांटिक हैं। एक बार तो उन्होंने अपने को-स्टार शत्रुघ्न सिन्हा को ऐसी एडवाइज दी थी,जिसके बारे में सुनकर सोनाक्षी और जहीर दोनों के ही होश उड़ गए थे।"

89 साल के धर्मेंद्र बॉलीवुड में अपनी दुश्मनी से ज्यादा सच्ची दोस्ती निभाने के लिए मशहूर हैं। वह एक बार जिनको अपना मान लेते हैं, तो फिर उसको जिंदगी भर प्यार देते हैं। 5 दशक बाद भी जय और वीरू यानी कि धर्मेंद्र और अमिताभ बच्चन की दोस्ती बरकरार है, तो वहीं सबको खामोश करने वाले शत्रुघ्न सिन्हा के साथ भी उनकी काफी गहरी दोस्ती है।
धर्मेंद्र ने अक्सर ये कहा कि इंडस्ट्री के उनके सबसे करीबी दोस्तों में से एक शत्रुघ्न सिन्हा है। शॉटगन भी धर्मेंद्र को अपना बे ा भाई मानते हैं और उनसे इंस्पायर होते हैं। शत्रुघ्न सिन्हा ने एक बार धर्मेंद्र से जुड़ा किस्सा शेयर करते हुए बताया था कि शोले एक्टर ने उन्हें महिलाओं से जुड़ी एक खास एडवाइज दी थी।

धर्मेंद्र ने शत्रुघ्न सिन्हा को समझाई थी ये बात

70 और 80 के मशहूर एक्टर शत्रुघ्न सिन्हा जब बीते साल कपिल शर्मा के शो में बेटी सोनाक्षी सिन्हा और दामाद जहीर इकबाल के साथ पहुंचें थे, तो उन्होंने धर्मेंद्र से वुमंस को लेकर मिली इस सलाह के बारे में बताया था। शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा था, धर्मेंद्र ने एक बार मुझे सलाह देते हुए बोला कि देख तू फिल्म इंडस्ट्री में आया है, तेरी बहुत कुर्ी या दीवानी है, लेकिन तू एक समय पर एक महिला के साथ रहना। शत्रुघ्न सिन्हा ने जैसे ही धर्मेंद्र से मिली इस सलाह के बारे में कपिल को बताया, एक्टर के दामाद के होश उे गए। जहीर ने तुरंत रिएक्ट करते हुए कहा, ÷मैं तो सोच रहा था कि ये फैमिली एपिसोड है, क्या हो रहा है यहां?।

इस मूवी के सेट पर शुरू हुई थी धर्मेंद्र-शत्रुघ्न की दोस्ती

दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र और शत्रुघ्न सिन्हा की दोस्ती फिल्म प्यार ही प्यार के सेट पर शुरू हुई थी। ये मूवी 1969 में आई थी। दरअसल इस मूवी में एक सीन फिल्माया गया था, जहां शत्रुघ्न को रस्सियों सेबांधा गया था। हालांकि, उस वक्त वह न्यू कमर थे, तो किसी ने उन पर कुछ खास ध्यान नहीं दिया और उन्हें बंधा ही छो गए, जब ये चीज धर्मेंद्र ने देखी तो उन्होंने उसे तुरंत खुलवाया और यहीं से धर्मेंद्र के प्रति शत्रुघ्न सिन्हा के मन में रिस्पेक्ट बढ़ी। हालांकि, दोस्त की सफलता के दौरान दोनों के रिश्ते में मनमुटाव की खबरें आईं। उनकी इस ले ई को हवा तब मिली जब शत्रुघ्न सिन्हा बीमार थे और धर्मेंद्र को छो कर सब उनसे मिलने आए थे, लोगों ने शॉटगन को भड़काया भी। हालांकि, बाद में जब शत्रुघ्न सिन्हा को धर्मेंद्र के न आने का कारण पता चला, तो उन्होंने अभिनेता अपनी सारी दूरियां मिटाई।

शूटिंग के दौरान जाने वाली थी जान

›› बॉलीवुड स्टार ने बताया डरावना किस्सा
›› फिर कभी कार में आगे नहीं बैठा एक्टर

विवेक ओबेरॉय ने हाल ही में एक किस्सा सुनाया जहां उनकी जान बाल-बाल बची थी। राजस्थान में शूटिंग के दौरान ये हादसा हुआ था।
विवेक ओबेरॉय, रितेश देशमुख और आफताब शिवदासानी मस्ती 4 के साथ बड़े पर्दे पर वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वे फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं और हाल ही में मैशेबल इंडिया के साथ एक इंटरव्यू के दौरान, विवेक ने राजस्थान में अपनी फिल्म रोड की शूटिंग के दौरान हुए एक हादसे को याद किया। जहां उन्होंने बताया कि कैसे एक बार शूटिंग के दौरान मौत से सामना होते होते बचा था। एक हादसे में विवेक बाल-बाल बच गए थे।

राजस्थान में शूटिंग के समय हुआ था हादसा

इस बारे में बात करते हुए, साथिया अभिनेता ने कहा,मैं राजस्थान में रोड (फिल्म) की शूटिंग कर रहा था। हम बीकानेर से जैसलमेर जा रहे थे। खूबसूरत सड़कें, खूबसूरत ड्राइव, लेकिन रात का समय था। मैंने ड्राइवर को कम से कम 15 से 20 बार धीरे चलाने के लिए कहा,रात है,विजिबिलिटी कम है,धीरे चलाओ। मैं आगे की सीट पर था और उस घटना के बाद, मैं कभी आगे की सीट पर नहीं बैठा। उन्होंने आगे बताया,मैंने अपनी सीट पीछे की ओर झुकाई और अचानक एक जोरदार दुर्घटना हुई,एक ज़ोरदार आवाज हुई। सड़क पर अचानक एक ऊंटगाड़ी आ गई,जिस पर छड़ें लदी थीं। छड़ों ने विंडशील्ड को तोड़ दिया था,और अगर मेरी सीट सीधी होती,तो वे छड़ें मेरे शरीर में घुस जातीं। मैं कार से बाहर नहीं निकल सका क्योंकि छड़ें मेरे ऊपर थीं। लेकिन मुझे कोई चोट नहीं आई। मैं लगभग मर ही गया था। उसके बाद, मैंने रात में यात्रा न करने का फैसला किया।

तेज गति से चला रहा था गाड़ी

अभिनेता ने एक और घटना को याद करते हुए कहा, बाद में, जब मैं एक ड्राइवर के साथ था,तो उसने भी ऐसा ही किया। वह तेज गति से गाड़ी चला रहा था,इसलिए मैंने उसे कार रोकने और वॉशरूम जाने के लिए कहा। मैंने उसे नीचे उतरने और वॉशरूम जाने के लिए कहा। मैं उसके पास आया,चाबी ली और उसके बिना ही गाड़ी चला दी। बता दें कि विवेक ओबेरॉय इन दिनों अपनी फिल्म मस्ती-4 के रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। इससे पहले इसी फेंचाइजी में विवेक 3 बार कमाल कर चुके हैं और ये फिल्में बॉक्स ऑफिस पर हिट रही हैं। अब मस्ती-4 के साथ विवेक पर्दे पर नजर आने वाले हैं।

शर्ट-पैंट और आंखों पर काला चश्मा... बदल गई माला बेचने वाली मोनालिसा,

वायरल गर्ल का मॉडर्न अवतार कर देगा हैरान

महाकुंभ से वायरल हुई मोनालिसा भोसले तो आपको याद ही होगी। अपनी कंजी और कजरारी आंखों की वजह से महाकुंभ के दौरान मोनालिसा खूब चर्चा में रही थीं और अब वह सोशल मीडिया स्टार बन चुकी हैं और जल्दी ही बॉलीवुड में भी अपनी शुरुआत के लिए तैयार है।
मोनालिसा ने अब अपनी डेब्यू फिल्म द डायरी ऑफ मणिपुर की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसके सेट से उनकी कुछ तस्वीरें भी सामने आई हैं। इन तस्वीरों में मोनालिसा शर्ट-पैंट पहने मॉडर्न लुक में दिखाई दे रही हैं और उन्हें इस अवतार में देखने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स का यही कहना है कि सोशल मीडिया कब किसकी किस्मत पलट दे, कुछ नहीं कहा जा सकता।

मध्य प्रदेश की रहने वाली हैं मोनालिसा भोसले

बता दें, मध्य प्रदेश के इंदौर की रहने वाली मोनालिसा एक साधारण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से ताल्लुक रखती हैं। मोनालिसा अचानक तब चर्चा में आ गईं,जब वह अपने परिवार का गुजारा चलाने के लिए महाकुंभ में रुद्राक्ष की माला बेचने गईं और वहीं किसी ने उनकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिए, जो देखते ही देखते वायरल हो गए। मोनालिसा एक ही रात में इंटरनेट सेंसेशन बन गईं और महाकुंभ में लोग उनके साथ फोटो और वीडियो लेने के लिए लाइन लगाने लगे। बढ़ती भीड़ से परेशान होकर वे घर लौट आईं।

सेट पर मॉडर्न लुक में दिखीं मोनालिसा

सोशल मीडिया पर मोनालिसा की कुछ तस्वीरें वायरल हो रही हैं, जिनमें वह मॉडर्न लुक में नजर आ रही हैं। शर्ट-पैंट और आंखों पर चश्मा लगाए एक दम सेलिब्रिटी वाला फील ले रहीं मोनालिसा का ये अंदाज अब चर्चा में है। जहां एक तरफ कुछ उनकी वाहवाही करते दिखे तो वहीं कुछ सोशल मीडिया की पावर के बारे में बात करते नजर आए। इससे पहले भी फिल्म के सेट से मोनालिसा की कुछ तस्वीरें और वीडियो सामने आए थे,जिनमें वह शूटिंग प्रेक्टिस करती नजर आई थीं।

खेल- समाचार

ऑस्ट्रेलियाई स्टार तेज गेंदबाज हेज़लवुड एशेज सीरीज के पहले टेस्ट से बाहर

पर्थ, 15 नवम्बर 2025। एशेज सीरीज़ से पहले ऑस्ट्रेलिया को कई झटके लग रहे हैं। एक के बाद एक, कई तेज गेंदबाज़ चोटों के कारण टीम से बाहर हो रहे हैं। चोट से उबर रहे कप्तान पैट कमिंस पर्थ टेस्ट से बाहर हो गए हैं,वहीं मुख्य तेज गेंदबाज़ जोश हेज़लवुड भी चोटिल हो गए हैं। पैर में दर्द से जूझ रहे हेज़लवुड की स्कैनिंग के बाद जांघ की मांसपेशियों में तकलीफ़ पाई गई। इसके बाद डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टेस्ट 21 नवंबर को पर्थ में खेला जाएगा। घरेलू टीम,जो सीरीज़ का पहला मैच जीतने की उम्मीद कर रही थी, तेज गेंदबाज़ों की कमी से जूझ रही है। कप्तान कमिंस पहले से ही उपलब्ध नहीं हैं और हेज़लवुड भी इस टेस्ट में नहीं खेल रहे हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ताओं ने हेज़लवुड की जगह ऑलराउंडर माइकल नेसर को टीम में शामिल किया है।

स्टैंडर्ड पिस्टल में भारतीय निशानेबाज पदक से चूके

नई दिल्ली, 15 नवम्बर 2025। ओलंपियन गुरप्रीत सिंह का नौवां स्थान भारतीय निशानेबाजों का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा क्योंकि वे शनिवार को मिस्र के काहिरा स्थित ओलंपिक शूटिंग रेंज में आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप 2025 की 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल स्पर्धा में कोई पदक नहीं जीत सके। चीन की याओ कियानक्सुन ने विश्व चैंपियनशिप में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण और 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक के साथ अपना तीसरा व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता। स्विट्जरलैंड के एड्रियन शॉब पुरुष वर्ग में विश्व चैंपियन बने। भारत तीन स्वर्ण,पाँच रजत और चार कांस्य पदकों के साथ पदक तालिका में चीन और दक्षिण कोरिया के बाद तीसरे स्थान पर रहा, जबकि चीन के नाम 12 स्वर्ण,सात रजत और दो कांस्य पदक हैं,जबकि कोरिया ने सात स्वर्ण और तीन-तीन रजत और कांस्य पदक जीते हैं। पुरुषों की स्पर्धा में, गुरपीत सिंह ने कुल 571-14× अंक हासिल कर नौवां स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में अन्य निशानेबाज उदयवीर सिद्धू और राजकंवर सिंह संधू क्रमशः 561-9× और 559-6× स्कोर के साथ 23वें और 24वें स्थान पर रहे। दक्षिण कोरिया की योंगजे चो ने रजत पदक जीता, जबकि यूक्रेन के पावलो कोरोस्टाइलोव ने कांस्य पदक जीता। महिला वर्ग में, परीशा गुप्ता 556-11× स्कोर के साथ 10वें स्थान पर रहीं, जो भारतीय निशानेबाजों में सर्वोच्च स्थान था। शिखा चौधरी ने 555-11× स्कोर के साथ 12वां स्थान हासिल किया, जबकि अगम ग्रेवाल ने 547-9× स्कोर के साथ 19वां स्थान हासिल किया।

पंत टेस्ट में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले भारतीय

›› जडेजा 4000 रन-300 विकेट वाले चौथे प्लेयर
›› गिल रिटायर्ड हर्ट हुए, मोमेंट्स-रिकॉर्ड्स

कोलकाता, 15 नवम्बर 2025। कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन साउथ अफ्रीका ने दूसरी पारी में 93 रन बनाने में 7 विकेट गंवा दिए। टीम इंडिया ने पहली पारी में 9 विकेट पर 189 रन बनाए।
कप्तान शुभमन गिल गर्दन में दर्द की वजह से पहले सेशन में ही रिटायर हर्ट हो गए। इसके बाद वे बैटिंग करने नहीं उतरे। विकेटकीपर ऋषभ पंत भारत के लिए टेस्ट में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बल्लेबाज बने।

पंत टेस्ट में भारत के लिए सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बैटर
ऋषभ पंत भारत के लिए टेस्ट में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। पंत के 48 मैच में अब 92 सिक्स हो गए हैं। उन्होंने वीरेंद्र सहवाग के रिकॉर्ड को तो ा। सहवाग ने 103 मैच में 90 सिक्स लगाए थे।

जडेजा 4000 रन और 300 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय

ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा टेस्ट में 4000 रन और 300 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय बने। उनसे पहले कपिल देव यह कारनामा कर चुके हैं। ओवरऑल टेस्ट क्रिकेट में जडेजा चौथे प्लेयर बने। पहले नंबर पर इंग्लैंड के इयान बॉथम हैं। उन्होंने 5200 रन बनाने के साथ 383 विकेट लिए हैं। जडेजा ने भारत में अपने 250 विकेट भी पूरे किए।

भारत में तीसरा मैच जिसकी पहली इनिंग में दोनों टीमें फिफ्टी नहीं लगा सकी

भारत में बिना किसी फिफ्टी के पहली दोनों टीम इनिंग खत्म हो जाना तीसरी बार ही हुआ। इससे पहले 1987 दिल्ली में भारत और वेस्टइंडीज की टीमें बिना किसी फिफ्टी के ऑलआउट हो गई थी।

गिल महज 3 बॉल खेलकर रिटायर हर्ट हुए

भारतीय कप्तान शुभमन गिल महज 3 बॉल खेलने के बाद रिटायर हर्ट हो गए। वॉशिंगटन सुंदर के आउट होने के बाद 35वें ओवर में गिल क्रीज पर उतरे। उन्होंने मैदान पर आते ही साइमन हार्मर की बॉल पर चौके के साथ खाता खोला, लेकिन उनके गर्दन में दर्द होने लगा। इसके बाद फिजियो मैदान पर आए और गिल उनके साथ मैदान से बाहर चले गए।
इतना ही नहीं गिल दूसरी पारी में फील्डिंग करने के लिए नहीं उतरे। उनकी जगह पर कप्तानी की जिम्मेदारी उपकप्तान ऋषभ पंत ने संभाली। देवदत्त पडिक्कल सब्सीट्यूट फिल्डर के तौर पर उतरे।

मार्करम से पंत का कैच छूटा, अगली बॉल पर सिक्स लगाया

38वें ओवर में ऋषभ पंत को जीवनदान मिला। केशव महाराज के ओवर की तीसरी बॉल पर पंत का कैच ऐडन मार्करम ने छो दिया। महाराज की बैक ऑफ लैंथ बॉल पर पंत ने बैकफुट पर जाकर शॉट खेला। बॉल ने गेंद का बाहरी किनारा लिया और फर्स्ट स्लिप पर खे` मार्करम के पास गई। उन्होंने डाइव लगाई लेकिन कैच नहीं कर सके।
इस समय पंत एक रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे। ओवर की अगली ही बॉल पर पंत ने आगे निकलकर लॉन्ग ऑफ के ऊपर से सिक्स लगा दिया। वे 27 रन बनाकर आउट हुए।

मार्करम ने एक हाथ से कैच लपका, राहुल आउट

40वें ओवर में केएल राहुल 39 रन बनाकर आउट हुए। केशव महाराज के ओवर की पांचवीं बॉल पर राहुल ने कट शॉट खेला। बॉल बैट का बाहरी किनारा लेकर स्लिप पर खे` मार्करम के हाथ में गई। उन्होंने सामने की तरफ जमीन में गिरती हुई बॉल पर एक हाथ से कैच लपक लिया।

बुमराह की बॉल रिकेल्टन की पसली पर लगी

साउथ अफ्रीका की दूसरी इनिंग में ओपनर रायन रिकेल्टन की पसली पर जसप्रीत बुमराह की बॉल लगी। ओवर की दूसरी बॉल बुमराह ने 140.3 kmph की स्पीड से फेंकी। गेंद लेंथ से अचानक उछली और अंदर की ओर सीम भी हुई। बल्लेबाज क्रीज से बचाव करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन गेंद उनकी पसली पर लगी और फाइन लेग की ओर बाउंड्री तक चली गई।

दिल्ली कैपिटल्स ने इन प्लेयर्स को कर दिया रिलीज

नटराजन और राहुल स्क्वाड में बरकरार

नई दिल्ली, 15 नवम्बर 2025। दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने आईपीएल 2026 के ऑक्शन से पहले अपने द्वारा रिटेन और रिलीज किए गए प्लेयर्स की लिस्ट जारी कर दी है। गुजरे सीजन दिल्ली की टीम ने शुरुआत में तो अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन बाद में अक्षर पटेल की अगुवाई में टीम ने लय खो दी और प्लेऑफ में नहीं पहुंच पाई। अब दिल्ली ने कुल 17 प्लेयर्स को रिटेन किया है।

टी नटराजन को किया रिटेन

दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने कप्तान अक्षर पटेल, केएल राहुल, अभिषेक पोरेल, मिचेल स्टार्क जैसे प्लेयर्स को रिटेन किया है। इसके अलावा टी नटराजन को अपनी काबिलियत दिखाने का एक और मौका दिया गया है। गुजरे सीजन चोटिल होने की वजह से वह ज्यादा मुकाबले नहीं खेल पाए थे। नटराजन को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए तमिलनाडु की टीम में शामिल किया गया है और वह फिलहाल पूरी तरह से फिट हैं। दिल्ली की टीम ने उन्हें पिछले सीजन 10.75 करोड़ रुपए चुकाए थे।

मोहित शर्मा हो गए रिलीज

आईपीएल 2025 में फॉफ डु प्लेसिस, जैक फ्रेजर मैकगर्क अपने नाम के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। वहीं अफगानिस्तान के सेदिकुल्लाह अटल और मोहित शर्मा भी लय में नजर नहीं आए थे। इसी वजह से दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने इन प्लेयर्स को रिलीज कर दिया है। अब ये खिलाड़ी आगामी ऑक्शन में नजर आएंगे।

कोर खिलाड़ियों के लिए राहत

मुंबई, 15 नवम्बर 2025। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2026 की नीलामी से पहले अपने मुख्य खिलाड़ियों को बरकरार रखा है, लेकिन पिछले सीज़न के अपने उभरते सितारों में से एक विग्नेश पुथुर को शनिवार को रिलीज़ कर दिया। पांच बार की चैंपियन टीम ने पिछले साल शानदार प्रदर्शन किया था और टूर्नामेंट में अपने पहले चार मैच हारने के बाद यादगार वापसी की थी। टीम रिकॉर्ड छठी ट्रॉफी जीतने के करीब भी पहुँची थी, लेकिन शीर्ष चार में जगह बनाने के बाद नॉकआउट चरणों में ही बाहर हो गई।

मुख्यमंत्री जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए...

पूरे प्रदेश में 2 हजार किमी सड़क निर्माण का काम चल रहा है,धान खरीदी में नहीं आएगी दिक्कत : सीएम साय

रायपुर,15 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में भगवान बिरसामुंडा की जयंती पर जनजाति गौरव दिवस कार्यक्रम का आयोजन हुआ। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, मंत्री केदार कश्यप समेत अन्य नेता और मंत्री भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2021 में भगवान बिरसामुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का ऐलान किया था। तब से पूरा देश जनजातीय गौरव दिवस मनाता है। आज छत्तीसगढ़ प्रदेशभर के सभी जिलों में कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। मुख्यमंत्री ने जनजातीय उत्थान और सम्मान के लिए उठाए गए ऐतिहासिक राष्ट्रीय कदमों का स्मरण करते हुए कहा कि जनजातीय कल्याण की दिशा में तीन बड़े मील के पत्थर रखे गए हैं। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के दूरदर्शी नेतृत्व को याद किया, जिनके कार्यकाल में ही आदिवासी बहुल छत्तीसगढ़ और झारखंड राज्यों का गठन किया गया। मुख्यमंत्री ने इसे जनजातीय पहचान को सम्मान देने और उनके त्वरित विकास की दिशा में युगांतरकारी निर्णय बताया। इसके अतिरिक्त, वाजपेयी जी ने ही जनजातीय हितों की रक्षा और विकास हेतु एक अलग 'जनजातीय कार्य मंत्रालय' का गठन किया।

सीएम ने धान खरीदी को लेकर कहा...छत्तीसगढ़ जैसी व्यवस्था कही नहीं

सीएम ने मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश में धान खरीदी को लेकर कहा कि, पूरे देश में धान खरीदी की सबसे अच्छी व्यवस्था छत्तीसगढ़ में है। मैं ये स्पष्ट कर दूं कि धान खरीदी में किसी भी तरह का व्यवधान नहीं होगा। आज से पूरे छत्तीसगढ़ में धान खरीदी का शुभारंभ हो रहा है। हड़ताल भी खत्म होगी। किसानों को धान बेचने किसी भी तरह की दिक्कत नहीं होगी।

जनजाति समाज के लिए कर रहे काम : सीएम ने जनजाति समुदाय को लेकर कहा कि, छत्तीसगढ़ में जनजाति समुदाय के लोग रहते हैं। उन्हें विकास से जोड़ रहे हैं। खेल से भी जोड़ रहे हैं। सरकार की योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। इनके विकास में और तेजी हो इसके लिए प्रधानमंत्री ने धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना की शुरुआत की है। इस योजना में 80 हजार करोड़ का बजट है। छत्तीसगढ़ के साढ़े 6 हजार से ज्यादा गांव शामिल हैं। विशेष पिछड़ी अनुसूचित जनजाति के लोग भी हैं। बस्तर में अबूझमाड़िया और कमार जनजाति के लोग भी हैं। इनके लिए भी पीएम जनमत योजना की शुरुआत हुई है। यदि पूरे देश में 4 हजार किमी सड़क बन रही है तो हमारे छत्तीसगढ़ में 2 हजार किमी सड़क निर्माण का काम हो रहा है। शहर में आज रैली से लेकर कई कार्यक्रम हुए। साथ ही सीएम से लेकर मंत्री तक यहीं मौजूद रहे। वहीं इस कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए। चौक-चौराहों पर जवानों की तैनाती की गई।

अब बड़े नक्सली लीडर कर रहे सरेंडर..

आजाद समेत 8 नक्सलियों ने हथियार के साथ किया आत्मसमर्पण,अंदरूनी इलाकों में बढ़ा टकराव

जगदलपुर,15 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ समेत देशभर में मार्च 2026 तक नक्सलवाद को खत्म करने पर फोर्स जुटी है। इससे डरे-घबराए नक्सली हथियार छोड़कर समाज के मुख्यधारा में जुड़ रहे हैं। इसी क्रम में अब संगठन में काम कर रहे बड़े नक्सली लीडर भी तेजी से सरेंडर कर रहे हैं। इस बीच, छत्तीसगढ़ के पड़ोसी राज्य तेलंगाना में तेलंगाना स्टेट कमेटी में सक्रिय दो शीर्ष माओवादी नेताओं समेत अन्य 8 नक्सलियों ने हथियार डाल दिए हैं। हालांकि, इनके समर्पण को लेकर आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, ये सभी नक्सली दो दिन पहले ही गुपचुप तरीके से सरेंडर हो चुके हैं और सोमवार को इसकी आधिकारिक घोषणा होने की संभावना है। आत्मसमर्पण करने वालों में सबसे बड़ा नाम कोय्यादी संबय्या उर्फ आज़ाद, बीकेएसआर डिवीज़न कमेटी सचिव का है। आजाद कई दशकों से माओवादी संगठन में प्रमुख रणनीतिक भूमिका निभा रहे थे। इसके अलावा अब्बास नारायण उर्फ़ रमेश, जो तकनिकी टीम के प्रभारी ने भी सरेंडर किया है। रमेश रामागुंडम इलाके में लंबे समय से सक्रिय था। आजाद और तेलंगाना स्टेट कमेटी के प्रमुख नक्सल नेता दामोदर की बीच टकराव और अंदरूनी मतभेद भी इस सरेंडर का बड़ा कारण माना जा रहा है। आजाद मुलुगु जिले के मोदुलागुडेम गांव के रहने वाले हैं और स्टेट कमेटी में उनकी पकड़ काफी मजबूत थी। यदि आधिकारिक पुष्टि होती है, तो यह सरेंडर तेलंगाना-छत्तीसगढ़ सीमा क्षेत्र में सक्रिय माओवादी नेटवर्क के लिए एक बड़ा झटका माना जाएगा। जानकारी के अनुसार आजाद छत्तीसगढ़ और तेलंगाना इन दोनों राज्यों में सक्रिय था। इस पर 40 लाख रुपए से ज्यादा का इनाम घोषित है। आत्मसमर्पण करने वालों में बड़ा नाम कोय्यादी संबय्या उर्फ आजाद का ही है। आजाद कई दशकों से माओवादी संगठन में प्रमुख रणनीतिक भूमिका निभा रहा था। इसके अलावा, अब्बास नारायण उर्फ रमेश जो तकनीकी टीम का प्रभारी था इसने भी सरेंडर किया है। रमेश रामागुंडम इलाके में लंबे समय से सक्रिय था।

ईवीएम में गड़बड़ी के आरोपों पर बिफरे डिप्टी सीएम शर्मा,कहा....जहां कांग्रेस की हुई जीत,वहां ईवीएम कैसे हो गई ठीक...

रायपुर,15 नवम्बर 2025। बिहार चुनाव में ईवीएम में गड़बड़ी के कांग्रेस के आरोपों पर डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा कि वह चुनाव में काम नहीं करते और ठीकरा ईवीएम पर फोड़ते हैं, लेकिन जनता ने उन्हें सबक सिखा दिया है. वह दहाई का आंकड़ा तक नहीं छू पाए और फिर भी नेता प्रतिपक्ष बने बैठे हैं. किसको श्रेय जाता है, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को भी इस पर सोचना चाहिए कि उन्होंने संस्थाओं को बर्बाद और बदनाम भी जहां आपकी (कांग्रेस) की जीत हुई, वहां ईवीएम ठीक कैसे हो गई? (उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कांग्रेस पर साधा निशाना)

धान खरीदी की शुरुआत को लेकर क्या बोले विजय शर्मा

छत्तीसगढ़ में आज से शुरू हो चुके धान खरीदी को लेकर डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा कि इस बार 1 लाख अतिरिक्त किसानों ने पंजीयन कराया है. रकबा भी बढ़ा है. सरकार सभी किसानों का धान खरीदेगी. एग्रीस्टेक के माध्यम से पंजीयन प्रक्रियाएं जारी है. उन्होंने कहा कि जहां धान नहीं होगा, वहीं का पंजीयन रोका जाएगा.

प्रदेश में गड़बड़ी करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी : डिप्टी सीएम शर्मा

वीरेन्द्र तोमर की गिरफ्तारी और करणी सेना के प्रदर्श की चेतावनी मामले पर डिप्टी सीएम शर्मा ने कहा कि कोई भी सामाजिक संस्था अच्छे काम के लिए होती है, अपराधियों के समर्थन के लिए नहीं. अपराधी तो अपराधी होता है, फिर चाहे वह किसी भी संस्था से जुड़ा हो. यदि अपराधी संस्था से जुड़े है, उस संस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है. उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में गड़बड़ करने वालों को नहीं छोड़ा जाएगा. उनके खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जाएगी.

सहकारी समिति के 7 कर्मचारी बर्खास्त एस्मा कानून के तहत कार्रवाई

सक्ति,15 नवम्बर 2025। आज से छत्तीसगढ़ में धान खरीदी की शुरुआत होने जा रही है। सरकार ने किसानों से किये गये अपने वादे के मुताबिक़ धान ख़रीदी के लिए जिला स्टार पर व्यापक तैयारियां की हुई है। हालांकि इस बीच सरकार के लिए गए फैसले से हड़कंप मच गया है। दरअसल राज्य सरकार के निर्देश पर सक्ती जिले में सहकारी सेवा समिति के सात कर्मचारियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। सभी कर्मचारियों पर धान ख़रीदी की प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न करने के गंभीर आरोप लगे है। वही प्रदेश भर में एस्मा कानून भी लागू है, लिहाजा जिला प्रशासन ने अनुशानहीनता बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ फैसला लेकर दूसरे आंदोलनकारी कर्मियों को कड़ा सन्देश दिया है। जिला प्रशासन के इस फैसले से सहकारी समितियों में हड़कंप की स्थिति है। गौरतलब है कि, छत्तीसगढ़ सरकार आज (15 नवम्बर) से प्रदेशभर के 25 लाख से ज्यादा किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की शुरुआत करने जा रही है। दूसरी और सहकारी समितियों के कर्मचारी चार सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं, जिससे व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका है। लिहाजा अब सरकार ने प्रदेश में एस्मा लागू कर दिया है। इस संबंध में गृह विभाग ने एक आदेश भी जारी किया है।

पुलिस को धमकी देने वाले करणी सेना अध्यक्ष पर एफआईआर दर्ज,गिरफ्तारी होगी जल्द

रायपुर,15 नवम्बर 2025। क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राज शेखावत के खिलाफ रायपुर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। शेखावत ने सोशल मीडिया में लाइव आकर हिस्ट्रीशीटर वीरेंद्र तोमर का जुलूस निकालने का विरोध किया था। शेखावत ने तोमर की कार्रवाई में शामिल पुलिसवालों और रायपुर एसएसपी के घर में घुसने की धमकी दी थी। इस धमकी के बाद मौदहापारा थाने में पुरानी बस्ती थाने के पूर्व थानेदार योगेश कश्यप ने शिकायत दर्ज करवाई है। इस शिकायत में इंस्पेक्टर योगेश कश्यप ने आपराधिक धमकी, लोक सेवक को धमकाने और सम्मान को ठेस पहुंचाने का जिक्र किया है।

घर आए रिश्तेदारों ने अलमारी से 14 तोला सोना चुराया

कांकेर में आरोपी पति-पत्नी गिरफ्तार, कब्जे से 10 लाख के जेवर बरामद

कांकेर,15 नवम्बर 2025। कांकेर जिले में घर आए रिश्तेदारों ने 10 लाख की चोरी कर ली। घटना 27-28 अप्रैल की रात की है। नाकापारा के रहने वाले नरेंद्र कुमार महेश्वरी अपने परिवार संग बाहर गए थे। घर पर कोई नहीं था। तभी नरेंद्र कुमार की भाभी की चचेरी बहन और जीजा ने मिलकर अलमारी में रखे गोल्ड चुरा लिए।

सोलर पैनल इंस्टालेशन

मामला चारामा थाना क्षेत्र का है। थाने में पीड़ित परिवार की शिकायत के बाद दोनों गिरफ्तार कर लिए गए है। उनके कब्जे से कुल 107.770 मिलीग्राम सोने के आभूषण और गला हुआ सोना बरामद किया गया, जिसकी कुल कीमत 10,32,990 रुपए आंकी गई है।

पूरा मामला : प्रार्थी नरेंद्र कुमार महेश्वरी, जो नाकापारा चारामा निवासी और स्वास्तिक स्टील ट्रेडर्स के संचालक हैं, ने 10 नवंबर 2025 को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि 25 अप्रैल 2025 को वे अपनी पत्नी मधु महेश्वरी के साथ विशाखापट्टनम कंपनी ट्रिप पर गए थे। 5 मई 2025 को रात 8 बजे वापस लौटने पर उन्होंने अपने कमरे की अलमारी खोली, तो उसमें रखे लगभग 14 तोला सोना और 70 ग्राम चांदी के जेवरात गायब मिले। जांच के दौरान पता चला कि नरेंद्र महेश्वरी के कंपनी ट्रिप पर रहने के दौरान उनकी भाभी गायत्री महेश्वरी की चचेरी बहन लीना भूतड़ा उनके घर घूमने आई थी। लीना 27 और 28 अप्रैल 2025 को दो दिनों तक घर पर रुकी थी। प्रार्थी ने लीना भूतड़ा पर चोरी का आरोप लगाया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर चारामा थाना में अपराध क्रमांक 158/2025, भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

दोनों आरोपी से पूछताछ के बाद हुआ खुलासा : चारामा पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी लीना भूतड़ा और उसके पति मनोज भूतड़ा को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

पूछताछ के दौरान, लीना भूतड़ा के पास से सोने का एक लेडीज ब्रेसलेट और एक सोने की चेन बरामद हुई। वहीं, आरोपी मनोज भूतड़ा के पास से सोने का एक जेंट्स ब्रेसलेट और आभूषण की पहचान छिपाने के उद्देश्य से गलाकर रखा गया सोने का एक गोल बिस्कुट का टुकड़ा जब्त किया गया। कुल 107.770 मिलीग्राम सोने के आभूषण और गला हुआ सोना बरामद किया गया, जिसकी कुल कीमत 10,32,990 रुपए आंकी गई है। आरोपियों ने यह सारा सामान ग्राम बिरेतरा स्थित अपने घर में छिपाकर रखा था। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई की है।

मतदाताओं की फोटो-फोटोकॉपी का खर्च निर्वाचन आयोग उठाए : पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश

एसआईआर प्रक्रिया पर कहा...गरीब आदिवासी मतदाता 100किलोमीटर दूर जाकर कैसे करवाएगा फोटोकॉपी?

रायपुर,15 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में चल रही स्पेशल इंटेंशन रिव्यू प्रक्रिया को लेकर कांग्रेस ने अब एक नई मांग रखी है। पार्टी का कहना है कि, राज्य के दूर-दराज ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में रहने वाले मतदाता फोटो खिंचवाने और फोटोकॉपी कराने में सक्षम नहीं हैं। ऐसे में इन सुविधाओं की जिम्मेदारी निर्वाचन आयोग को लेनी चाहिए। कांग्रेस पहले ही एसआईआर प्रक्रिया को 3 महीने बढ़ाने की मांग कर चुकी है। अब नई मांग है कि गरीब और दूरस्थ क्षेत्रों के मतदाताओं को देखते हुए आयोग को फोटो और फोटोकॉपी की व्यवस्था मुफ्त में करनी चाहिए।

भूपेश बघेल बोले- मतदाता को खुद साबित करना पड़े कि वो मतदाता है : पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बातचीत में कहा कि, हमें एसआईआर प्रक्रिया से दिक्कत इसलिए है, क्योंकि इसमें मतदाता को ही आपको प्रमाणित करना है कि आप मतदाता हैं। अब अगर कोई लड़की शादी के बाद ससुराल चली जाए तो उसे साबित करना होगा, अगर बस्तर में शादी हुई और 86 के बाद का जन्म है, तो वो क्या करेगी, फिर फोटो चाहिए। गरीब आदमी कहां से फोटो खिंचवाने के पैसे लाएगा। ये व्यवस्था निर्वाचन आयोग को करनी चाहिए। खासकर हमारे यहां गांव इतने दूर-दूर जंगलों में हैं। फोटोकॉपी करवाने के लिए ही सैकड़ों किलोमीटर चलना पड़ेगा। हमारे यहां गांव इतने दूर-दूर जंगलों में हैं। फोटोकॉपी करवाने के लिए सैकड़ों किलोमीटर चलना पड़ेगा। ब्लॉक मुख्यालय ही 100 किमी है। निर्वाचन आयोग ने खुद ही कहते हैं कि हमने 12 लाख फॉर्म छापे हैं।

धान खरीदी को देखते हुए 3 महीने का एक्सटेंशन जरूरी- कांग्रेस

कांग्रेस का कहना है कि, इस समय राज्य में धान खरीदी चल रही है और किसान व्यस्त हैं। ऐसे में एसआईआर की समय सीमा बढ़ाई जाए। प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कांग्रेस ने कहा कि, एसआईआर कांग्रेस के मजबूत बूथों पर वोट को प्रभावित करने के लिए चलाया जा रहा है। पारदर्शिता बनाए रखने और किसी मतदाता का नाम गलत तरीके से न हटे, इसके लिए समय बढ़ना जरूरी है।

रायपुर में नागपुर के युवक पर हमला

3 बदमाशों ने गाली देने का आरोप लगाकर जबरन की पिटाई,माथे में आई गंभीर चोट

रायपुर,15 नवम्बर 2025। राजधानी रायपुर में नागपुर के युवक पर तीन आरोपियों ने मिलकर हमला कर दिया। बदमाशों ने युवक पर गाली देने का आरोप लगाया, फिर जबरन पिटाई कर दी। उन्होंने ईंट से भी युवक के माथे पर हमला किया। जिससे खून निकलने लगा। युवक का मेकाहारा में इलाज जारी है। मामला गोलबाजार थाना क्षेत्र के बांसटाल का है। दरअसल, नागपुर महाराष्ट्र के कामठी निवासी सतीश राजू हाटे अपने चाचा भूरू मोतीलाल हाटे के यहां मैयत कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। 14 नवंबर की शाम करीब 5:40 बजे वे नहाने के लिए सुलभ शौचालय की ओर जा रहे थे, उसी दौरान यह वारदात हुई। पीड़ित के अनुसार, रास्ते में मोबाइल से बात करते समय मोपेड पर सवार दो युवक पीछे से आए और उस पर गाली देने का आरोप लगाया। फिर वो खुद गाली-गलौज करने लगे। मना करने पर वे झगड़ा करने लगे और तभी तीसरा युवक भी मौके पर पहुंचा। तीनों ने मिलकर ईंट और मिट्टी के मटके से सतीश पर हमला कर दिया, जिससे उसके माथे में गंभीर चोट लग गई और खून बहने लगा।

मरीजों के लिए नहीं थी सुविधा,2 निजी अस्पतालों के आयुष्मान पंजीयन सस्पेंड

बलौदाबाज़ार,15 नवम्बर 2025। अस्पतालों की गुणवत्ता, सुरक्षा और नियमानुसार उपचार सुनिश्चित करने में अनियमितता पर स्वास्थ्य विभाग ने कार्यवाही करते हुए जिले में संचालित दो निजी अस्पतालों के आयुष्मान पंजीयन 3 माह के लिये सस्पेंड कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के द्वारा आरोग्यम हॉस्पिटल सिमगा एवं ओमकार हॉस्पिटल बलौदाबाजार का जांच कराया गया जिसमें गंभीर अनियमितताएं पाए जाने के बाद कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।उक्त दोनों अस्पतालों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। नोटिस का जवाब संतोषजनक नहीं होने पर राज्य कार्यालय को अस्पतालों के विरुद्ध कार्यवाही की अनुशंसा की गई। अनुशंसा के आधार पर राज्य नोडल एजेंसी द्वारा आरोग्यम हॉस्पिटल सिमगा एवं ओमकार हॉस्पिटल बलौदाबाजार का आयुष्मान पंजीयन 3 माह के लिये सस्पेंड कर दिया है। जाँच में मिली प्रमुख कमियाँ- अस्पताल स्टाफ की योग्यता का सत्यापन न होना,आवश्यक मेडिकल उपकरणों का अभाव,केस शीट और उपचार रजिस्टर में गड़बड़ियाँ, आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली कमजोर, दवाइयों और प्रक्रियाओं की गलत प्रविष्टियां,आवश्यक सुविधाओं की कमी,मरीजों की देखरेख में खामियां मिली।

छत्तीसगढ़ में कथावाचक की गिरफ्तारी

तखतपुर,15 नवम्बर 2025। सतनामी समाज को लेकर विवादित बयान देने वाले कथावाचक आशुतोष चैतन्य महाराज को बिलासपुर पुलिस ने आज कथास्थल से ही गिरफ्तार कर बिलासपुर ले गई. कथावाचक के व्यासपीठ से कहे गए विवादित बयान से आक्रोशित सतनामी समाज के लोगों ने कार्रवाई की मांग को लेकर तखतपुर थाने का घेराव किया था. बता दें कि तखतपुर के टिकरी पारा में चल रहे श्रीमद् भागवत कथा महापुराण में कथावाचक आशुतोष चैतन्य महाराज ने सतनामी समाज को लेकर आपत्तिजनक बातें कही थी, जो सोशल मीडिया के जरिए तेजी से वायरल हो गई. समाज के लोगों को इस बात की भनक लगते ही आक्रोशित हो गए. कथावाचक के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर समाज के लोगों ने तखतपुर थाने का घेराव कर दिया. स्थिति को देखते हुए थाने में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात करना पड़ा था. मामले की गंभीरता को देखते हुए एडिशनल एसपी के निर्देश पर कथावाचक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के धारा 353 (2) के साथ एससी-एसटी एक्ट की भी धारा जोड़ी गई थी. एडिशनल एसपी अर्चना झा ने कथावाचक के खिलाफ सतनामी समाज की आपत्ति पर प्राथमिक जांच के बाद धारा 353 (2) के तहत एफआईआर दर्ज करने की जानकारी देते हुए विधिवत जांच कर वैधानिक कार्रवाई का आश्वासन दिया था. इसके साथ ही समाज के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की थी.

क्या है पूरा मामला : दरअसल, तखतपुर के टिकरी पारा में श्रीमद् भागवत कथा महापुराण चल रहा है। यहां आशुतोष चैतन्य महाराज कथावाचन कर रहे थे। 11 नवंबर को उन्होंने सतनामी समाज को लेकर कई अपशब्द कहे। वीडियो को यूट्यूब चैनल पर अपलोड भी कर दिया गया। कथावाचक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद सतनामी समाज भड़क उठा। 12 नवंबर को समाज के लोग बड़ी संख्या में तखतपुर थाने पहुंचे और घेराव कर दिया। इस दौरान समाज के लोगों ने कथावाचक के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सतनामी समाज के लोगों का कहना था कि व्यासपीठ से की गई ऐसी टिप्पणी न केवल धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली है, बल्कि समाज को आपस में बांटने का प्रयास भी है। कथावाचक को तुरंत गिरफ्तार किया जाए। कथावाचक की गिरफ्तारी नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी थी। वहीं तखतपुर में सतनामी समाज के विरोध के बाद कथावाचक आशुतोष चैतन्य महाराज के कार्यक्रम स्थल तखतपुर के टिकरी पारा में सुरक्षा बढ़ा दी गई थी, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)